माघ शुक्ल - 11 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 193 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 08-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

SPR CITY
A PROJECT WITH BINNY LTD

73582 00333

Watch your favourite movie at the theatre. Have lunch at home during the interval.

Got a film, shopping, workout, a game, client meeting, an irresistible date or anything else? Just slip out and do whatever you want without spending hours on the road. Because everything dear to you is available at SPR City. In a jiffy.
Good superpower to have, no?

GET SUPERPOWERED.
DO WHAT OTHERS CAN'T.

LAUNCHING FESTIVAL
OF SUPERPOWERS!

Drop your kid at school. And reach office before he enters class.

Imagine superpowers that allow you to be at 10 different places in less than a minute. You need not step out even for a second.
Live, work, learn, play and commune in one big beautiful campus.
Good superpower to have, no?

TO KNOW MORE
ABOUT SUPERPOWERS
& BENEFITS TURN PAGE 2

ENQUIRE NOW FOR PETI-PACK DEALS.

SAVE UPTO ₹45 LAKHS*	2 BHK + 3 Balconies	3 BHK + 5 Balconies	Shops & Offices
100% TH-Rebate 100 % IFR Exemptions 10% PR Incentive	₹90L Onwards*	₹1.35 Cr Onwards*	₹50L Onwards*

SKY TOWERS
MOI MARKET OF INDIA INDIA'S GLOBAL MARKET
THE MALL OF MADRAS
The Shri Ram Universal School
SPR HIGHLIVING DISTRICT
Scan QR for more details

CREDAI www.rera.tn.gov.in | TN/29/BUILDING/0223/2021| TN/29/BUILDING/0390/2024 TN/29/BUILDING/0396/2024 | TN/29/BUILDING/0416/2024 | TN/29/BUILDING/0295/20218 | *T&C Apply. | Images are artist's impressions

SKY TOWERS

73582 00333

Work, Live Play, Learn and Commune. All at once.

GET SUPERPOWERED.
DO WHAT OTHERS CAN'T.

5x Convenience at 0.5x Investment

3 BHK Investment Meter

SPR CITY ◆ ₹1.35 Cr
Purasaiwalkam — 1 KM AWAY — ₹2.5 Cr
Kilpauk & Vepery — 2 KM AWAY — ₹3.0 Cr
Egmore — 3 KM AWAY — ₹3.5 Cr

2 BHK + 3 Balconies
₹90L
Onwards*

Shops & Offices
₹50L
Onwards*

Superpowered by Design

The Power of Panaromic Views
Not jut living, but each bedroom is powered by balconies. Offering stunning views, ample lighting & adding wings to your imagination.

The Power of Space
With 10.3 ft ceiling height let your thoughts grow beyond the usual industry standards of 9.3 ft height. That's more thought space, more air circulation, more cooling and larger looking apartments.

The Power to Fly
With 5 elevators for 7 apartments on every floor, be where you want to be at 2.5x the speed, elsewhere.

The Power of Privacy
With no two windows facing each other, cut yourself away from what's happening next door.

The Power of Proximity
At just 1 Km from Pursaiwalkam, 2Km from Kilpauk, 3 Km from Egmore, 4 Km from Central and 3 Metro Stations nearby, you are in a global hotspot right at the center of the city but with its own calm. That is 5x the convenience at a mere ≈ 0.5x of investment needed elsewhere.

Superpowered for Life & Business

The Power of the Central Shopping District
Indulge in leisure, luxury and savings all at once at the: ◆ Market of India, India's largest multi commodity market - Over 2 million sft** ◆ The Mall of Madras - 1.2 million sft** internationaly styled brand destination ◆ Sky Retail - 1 lakh sft** of high street retail

The Power of the Central Business District
Walk across and work in international Grade A work places in plug & play environments next door. These are offices that elevate your brand. We call it ITC, India Trade Center.

The Power of the Learning District
Ignite curiosity and nurture creativity at the award winning The Shri Ram Universal School, carrying the legacy of the famed Lady Shri Ram College and Shri Ram College of Commerce.

The Power of the Global Sports District
Embrace the global standard in sports facilities. From Cricket, Football, Tennis, Badminton and Table Tennis to Yoga, Gymnasium, Swimming, Jogging and much more at the OSR and the Club House.

HOW TO SAVE ₹45 LAKHS

SUPER POWER FETIVAL ANNOUNCEMENT	SAVINGS	END DATE
100% Threshold Rebate	₹10 Lakhs	16th Feb 25
100 % Incremental FR Exemptions	₹15 Lakhs	16th Feb 25
10% Proximity Incentive on Combo Deal	₹20 Lakhs	28th Feb 25

** Total built up area

SKY TOWERS | MOI MARKET OF INDIA INDIA'S GLOBAL MARKET | THE MALL OF MADRAS | The Shri Ram Universal School | SPR HIGHLIVING DISTRICT

Scan QR for more details

CREDAI www.rera.tn.gov.in | TN/29/BUILDING/0223/2021| TN/29/BUILDING/0390/2024 TN/29/BUILDING/0396/2024 | TN/29/BUILDING/0416/2024 | TN/29/BUILDING/0295/20218 | *T&C Apply. | Images are artist's impressions

माघ शुक्ल - 11 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 193 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 08-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मणिपुर की एन. बीरेन सिंह सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस

6 पंजाब में फैलता ईसाई मिशनरियों का जाल !

7 'गुम है किसी के प्यार में' गाना मेरे दिल के बहुत करीब : रेखा

फर्स्ट टेक

विशाखापत्तनम में दक्षिण तटीय रेलवे जोन के गठन को मंजूरी

नई दिल्ली/एजेन्सी। मंत्रिमंडल ने विशाखापत्तनम में प्रस्तावित दक्षिण तटीय रेलवे जोन के गठन के प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक के निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि यह निर्णय आंध्र प्रदेश पुनर्गठन से संबंधित वायदे के अंतर्गत किया गया है। उन्होंने बताया कि इस नए रेल जोन के गठन के बाद भी खंडित वाल्टेयर डिवीजन बरकरार रहेगा। मंत्रिमंडल ने इस डिवीजन के क्षेत्राधिकार में संशोधन के प्रस्ताव को को मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि आंध्र पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार नया रेलवे ज़ोन 'साउथ कोस्ट रेलवे ज़ोन' बनाया गया है। फैसले के अनुसार पूर्व तटीय रेलवे जोन में नया डिवीजन रायगडा रेलवे डिवीजन होगा। अब वाल्टेयर डिवीजन का नाम विशाखापत्तनम रेलवे डिवीजन रखा गया है।

नीट-यूजी परीक्षा चार मई को आयोजित की जाएगी

नई दिल्ली/भाषा। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी चार मई को आयोजित की जाएगी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के लिए आवेदन प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हुई और सात मार्च को समाप्त होगी। परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या के लिहाज से यह देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा है। वर्ष 2024 में रिकॉर्ड 24 लाख से ज़्यादा उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। एनटीए हर साल मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए नीट का आयोजन करता है। एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए कुल 1,08,000 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें से लगभग 56,000 सीटें सरकारी अस्पतालों में और लगभग 52,000 सीटें निजी कॉलेजों में हैं।

यौन उत्पीड़न में शामिल शिक्षकों की डिग्री रद्द की जाएगी : तमिलनाडु के मंत्री

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने शुक्रवार को कहा कि यौन उत्पीड़न के आरोपी शिक्षकों के डिग्री प्रमाण पत्र रद्द कर दिए जाएंगे। कृष्णागिरी जिले के एक सरकारी मध्य विद्यालय में तीन शिक्षकों द्वारा 13 वर्षीय छात्रा के कथित यौन उत्पीड़न की घटना के बारे में मीडियाकर्मियों के एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा, ''अब से हम केवल कानूनी कार्रवाई तक ही सीमित नहीं रहेंगे। यौन उत्पीड़न में शामिल शिक्षकों के प्रमाण पत्र रद्द कर दिए जाएंगे।''

आरबीआई ने पांच साल बाद रेपो दर 0.25 प्रतिशत घटाई

मकान, वाहन समेत विभिन्न ईएमआई में कमी आने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

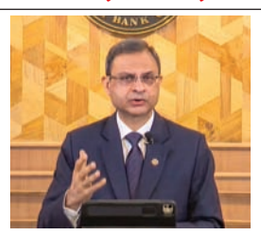

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को सुस्त पड़ रही अर्थव्यवस्था को गति देने के मकसद से लगभग पांच साल बाद प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया।

रेपो दर घटने का मतलब है कि मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कमी आने की उम्मीद है।

आरबीआई के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा ने छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बुधवार से शुरू तीन दिन की बैठक में लिए गये निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि समिति ने आम सहमति से रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती का निर्णय किया है।

इसके साथ, एमपीसी में अपने रुख को 'तटस्थ' बनाये रखने पर सहमति बनी है।

रेपो दर वह प्रमुख ब्याज है, जिसपर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिये इस दर का उपयोग करता है। रेपो दर अधिक होने का मतलब है कि कर्ज की लागत अधिक होगी। यानी ग्राहकों को अधिक ब्याज पर कर्ज मिलेगा। वहीं इसके उलट, रेपो दर कम होने से आवास, कार और व्यक्तिगत ऋण पर ब्याज दर घटने की उम्मीद रहती है।

साथ ही रेपो दर बचत और निवेश उत्पादों पर रिटर्न भी तय करती है। उच्च रेपो दर से सावधि जमा और अन्य बचत उत्पादों पर बेहतर रिटर्न मिल सकता है, क्योंकि बैंक जमा को आकर्षित करने के लिए उच्च ब्याज दर की पेशकश करते हैं। दूसरी ओर, कम रेपो दर इन बचत उत्पादों पर अर्जित ब्याज को कम कर सकती हैं।

इससे पहले मई, 2020 में कोविड-19 महामारी के समय रेपो दर को 0.40 प्रतिशत घटाकर चार प्रतिशत किया गया था। फिर रूस-यूक्रेन युद्ध के जोखिमों से निपटने के लिए आरबीआई ने मई, 2022 में दरों में बढ़ोतरी करनी शुरू की थी और यह सिलसिला फरवरी, 2023 में जाकर रुका था। रेपो दर करीब दो साल से 6.50 प्रतिशत पर स्थिर थी।

भारत संवैधानिक रूप से दुनिया का एकमात्र देश जिसमें हर स्तर पर लोकतांत्रिक प्रणाली है

न्यायपालिका तक पहुंच को 'हथियार' बनाया जा रहा है : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि न्यायपालिका तक पहुंच को इस तरह से 'हथियार' बनाया गया है, जो दुनिया के किसी अन्य देश में नहीं हो रहा है।

देश के भीतर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयासों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, ''सबसे पुराने लोकतंत्र, सबसे मजबूत लोकतंत्र, सबसे प्रगतिशील लोकतंत्र और सबसे जीवंत लोकतंत्र वाले देश में – और संवैधानिक रूप से दुनिया का एकमात्र देश जिसमें हर स्तर पर लोकतांत्रिक प्रणाली है, चाहे वह गांव हो, शहर हो, राज्य हो या राष्ट्र हो – हमारी चुनावी प्रक्रिया को इस तरह से प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है, जो नहीं होना चाहिए।''

वह हावेरी जिले के राणेबेन्नूर में आयोजित कर्नाटक वैभव साहित्य एवं सांस्कृतिक महोत्सव के तीसरे संस्करण के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। धनखड़ ने कहा कि विभाजनकारी ताकतें अलग-अलग तरीकों से काम करती हैं। धनखड़ ने कहा, ''इन ताकतों ने नये-नये रास्ते अपनाए हैं और बहुत से मुद्दों पर आप देखेंगे कि वे न्यायपालिका की शरण में जाते हैं।''

उन्होंने दावा करते हुए कहा, ''मैं चिंतित हूं, क्योंकि हमारे देश के संविधान ने न्यायिक व्यवस्था में हर व्यक्ति को अधिकार दिया है। और वह अधिकार क्या है? न्यायालय की शरण लेने का अधिकार। हालांकि, हाल के वर्षों में, राष्ट्र-विरोधी भावनाओं को भड़काने के लिए धन का इस्तेमाल किया गया है, और न्यायपालिका तक पहुंच को हथियार बनाया गया है, और यह इस तरीके से हो रहा है, जो दुनिया के किसी भी देश में नहीं हो रहा है।''

उन्होंने कहा, ''राष्ट्र को चुनौती देने वाली, जो राष्ट्रवाद एवं क्षेत्रवाद के बीच टकराव पैदा करने की कोशिश कर रही हैं, उन्हें बहुत करारा जवाब मिलना चाहिए। वे हमारी सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करना चाहते हैं।'' राष्ट्र के सांस्कृतिक दर्शन को संरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए धनखड़ ने कहा, ''आज के दिन, जब मैं एक तरफ देखता हूं, तो भारत की प्रगति को दुनिया की नजर से देखना चाहिये, राष्ट्र के अंदर बसने वाले लोगों की नजर से देखो, तो वो बारिश में नाचते हुए मोर के पंख की तरह हैं...लेकिन जब मैं मोर के पैरों को देखता हूं, तो मुझे चिंता होती है, सोचने पर मजबूर हो जाता हूं और फिर मुझे अपने सांस्कृतिक दर्शन की आवश्यकता महसूस होती है। हम उसी शाखा को काटने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर हम पनप रहे हैं, जिस पर हम बैठते हैं।''

दिल्ली की सत्ता पर कौन होगा काबिज

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ कई एग्जिट पोल ने भाजपा को आप पर बढ़त दिखाई है, जो 2015 से दिल्ली में सत्ता में है।

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतों की गिनती शनिवार को होगी, जिससे यह तय होगा कि आम आदमी पार्टी (आप) चौथी बार सत्ता में आएगी या फिर 27 साल बाद राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा सरकार बनाएगी।

पिछले दो विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीतने के बाद कांग्रेस भी इस बार कुछ बढ़त की उम्मीद कर रही है। कई एग्जिट पोल ने भाजपा को आप पर बढ़त दिखाई है, जो 2015 से दिल्ली में सत्ता में है।

मतगणना की प्रक्रिया सुबह आठ बजे शुरू होगी और शुरुआती रुझान शुरुआती घंटों से ही आने शुरू हो जाएंगे। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, दिल्ली चुनाव के लिए बुधवार को 60.54 फीसदी वोट पड़े।

भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दावा किया है कि उनकी पार्टी करीब 50 सीटें जीतेगी। वहीं, आप ने एग्जिट पोल के अनुमानों को खारिज करते हुए कहा कि वह फिर से सरकार बनाएगी और उसके संयोजक अरविंद केजरीवाल चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगे।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एलिस वाज ने कहा कि मतगणना पर्यवेक्षकों, मतगणना सहायकों और प्रक्रिया के लिए प्रशिक्षित सहायक कर्मचारियों सहित कुल 5,000 कर्मियों को शनिवार को मतगणना के लिए तैनात किया जाएगा। मतगणना प्रक्रिया की निष्पक्षता को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पांच वीवीपैट (वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल्स) का यादृच्छिक चयन किया जाएगा।

इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव की मतगणना के मद्देनजर 19 मतगणना केंद्रों के लिए अर्धसैनिक बलों की दो कंपनियों और दिल्ली पुलिसकर्मियों सहित तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

मतगणना के दिन सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विशेष पुलिस आयुक्त देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा, ''हमने (मतगणना के दिन) सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। मतगणना केंद्रों के अंदर केवल अधिकृत कर्मियों को ही जाने की अनुमति होगी, जहां मोबाइल फोन का उपयोग सख्त वर्जित होगा।''

विदेशी जेलों में बंद हैं 10,152 भारतीय : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि वर्तमान में विदेशी जेलों में बंद भारतीय कैदियों की संख्या 10,152 है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में इस संबंध में देश-वार डेटा साझा किया। उनके द्वारा साझा किए गए आंकड़ों में सऊदी अरब, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, नेपाल, पाकिस्तान, अमेरिका, श्रीलंका, स्पेन, रूस, इज़राइल, चीन, बांग्लादेश और अर्जेंटीना सहित 86 देशों में जेलों में बंद भारतीय कैदियों के आंकड़े शामिल हैं। मंत्री ने बताया कि 2,633 भारतीय कैदी सऊदी अरब की जेलों में बंद हैं और 2,518 ऐसे कैदी संयुक्त अरब अमीरात की जेलों में हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक, नेपाल की जेलों में 1,317 भारतीय कैदी हैं, जबकि पाकिस्तान और श्रीलंका में यह संख्या क्रमशः 266 और 98 है। सिंह ने कहा, ''मंत्रालय के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वर्तमान में विदेशी जेलों में विचाराधीन कैदियों सहित भारतीय कैदियों की संख्या 10,152 है।''

अदाणी के छोटे बेटे की शादी संपन्न, दस हजार करोड़ रुपए दान करने की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी के छोटे बेटे जीत शुक्रवार को अपनी मंगेतर दिवा शाह के साथ एक निजी पारंपरिक समारोह में शादी के बंधन में बंध गए। शादी के समारोह में उनके दोस्तों और परिवार के लोगों का एक छोटा समूह ही मौजूद था।

गौतम अदाणी ने इस वैवाहिक समारोह को साधारण ढंग से संपन्न कराने को प्राथमिकता दी। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कौशल विकास में बुनियादी ढांचे के निर्माण सहित विभिन्न सामाजिक कार्यों के लिए 10,000 करोड़ रुपये दान करने की घोषणा की।

सूत्रों ने कहा कि यहां शांतिग्राम में जैन परंपरा के अनुरूप की गई शादी के लिए बहुत कम संख्या में परिवार और दोस्तों को आमंत्रित किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, शादी में किसी भी मशहूर हस्ती को आमंत्रित नहीं किया गया था। अदाणी शनिवार को कर्मचारियों के लिए एक भोज का आयोजन करेंगे।

2,000 करोड़ के फेमा मामले में इरोस इंटरनेशनल पर ईडी का छापा

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने 2,000 करोड़ रुपए के विदेशी मुद्रा कानून उल्लंघन मामले की जांच के तहत हाल में प्रमुख मनोरंजन कंपनी इरोस इंटरनेशनल मीडिया लिमिटेड और इससे संबद्ध कुछ कंपनियों के खिलाफ छापेमारी की। जांच एजेंसी ने बताया कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत पांच फरवरी को मुंबई में पांच स्थानों पर छापेमारी की गई। प्रतिक्रिया के लिए कंपनी से संपर्क नहीं हो पाया। ईडी ने एक बयान में कहा कि ये तलाशी इरोस इंटरनेशनल मीडिया लिमिटेड और इरोस समूह की अन्य कंपनियों द्वारा कोष के हेरफेर के मामले में जारी जांच का हिस्सा है। विदेशी कंपनियों, अचल संपत्तियों, विदेशी बैंक खातों और डिजिटल उपकरणों से संबंधित कई दस्तावेज जब्त किए गए। ईडी ने कहा कि जांच इरोस समूह और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की जांच के आधार पर शुरू की गई थी।

महाकुंभ में अब तक 40 करोड़ श्रद्धालु लगा चुके डुबकी

■ अभी महाकुंभ मेला संपन्न होने में 19 दिन शेष हैं और ऐसे में सरकार का अनुमान है कि डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 50 करोड़ के पार जा सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से आयोजित महाकुंभ में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में अब तक डुबकी लगाने वाले साधु-संतों और श्रद्धालुओं, कल्पवासियों की संख्या 40 करोड़ के पार पहुंच गई है। सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, शुक्रवार सुबह तक महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं और अकेले शुक्रवार को सुबह 10 बजे तक 42.07 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में स्नान किया।

अभी महाकुंभ मेला संपन्न होने में 19 दिन शेष हैं और ऐसे में सरकार का अनुमान है कि डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 50 करोड़ के पार जा सकता है। तीनों अमृत स्नान (मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी) के बाद भी श्रद्धालुओं के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं।

इस भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने 12 फरवरी तक माध्यमिक स्कूलों की कक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से संचालित करने का निर्णय लिया है ताकि छात्र-छात्राओं को असुविधा न हो। बयान के मुताबिक, ''सर्वाधिक आठ करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर डुबकी लगाई।

महाकुंभ मेले में इस्कॉन के शिविर में आग लगी, कोई हताहत नहीं

महाकुंभ नगर/भाषा। महाकुंभ नगर के सेक्टर-18 में स्थित अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के शिविर में शुक्रवार सुबह आग लग गई जिसमें करीब 20 से 22 टेंट जलकर खाक हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दमकलकर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया है और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रमोद शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''सेक्टर-18 स्थित इस्कॉन के शिविर में सुबह 10 बजकर 35 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। तत्काल कदम उठाते हुए दमकल केंद्र से 12 गाड़ियां रवाना की गईं और करीब आधा घंटे में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।'' उन्होंने बताया कि 20 से 22 टेंट जलकर खाक हो गए हैं और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि हवा तेज होने के कारण पास के अतुलेश्वर धाम और देवी संपत्ति के कुछ शिविर भी आग की चपेट में आ गए। शर्मा ने बताया कि इस्कॉन के शिविर में हर टेंट में एसी, ब्लोअर और हीटर लगे थे, संभवतः शॉर्ट सर्किट से यह आग लगी।

विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप

एसीबी ने केजरीवाल को जांच के सिलसिले में नोटिस दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल को कानूनी नोटिस देकर उनके उन आरोपों के बारे में विवरण और सबूत मांगे हैं, जिनमें उन्होंने कहा था कि भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणामों से पहले उनकी पार्टी के उम्मीदवारों की खरीद-फरोख्त का प्रयास किया। शनिवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए जाने से एक दिन पहले यह नोटिस दिया गया है। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को उस समय राजनीतिक गहमागहमी बढ़ गई, जब एसीबी की एक टीम अरविंद केजरीवाल के 5, फिरोजशाह रोड स्थित आवास पर पहुंची।

इससे एक दिन पहले ही केजरीवाल ने भाजपा पर आठ फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों से पूर्व पार्टी के 16 उम्मीदवारों को खरीदने का प्रयास करने का आरोप लगाया था।

मंत्रिमंडल ने नए आयकर विधेयक को मंजूरी दी, अगले हफ्ते संसद में होगा पेश

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को नये आयकर विधेयक को मंजूरी दे दी, जो छह दशक पुराने आईटी अधिनियम की जगह लेगा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। नया विधेयक प्रत्यक्ष कर कानून को समझने में आसान बनाने और कोई नया कर बोझ नहीं लगाने की एक कवायद है। इसमें प्रावधान और स्पष्टीकरण या कठिन वाक्य नहीं होंगे। सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने नये आयकर विधेयक को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि नया आयकर विधेयक अब अगले सप्ताह संसद में पेश किया जाएगा और इसे संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति के पास भेजा जाएगा।

08-02-2025 सूर्यास्त 6:12 बजे | 09-02-2025 सूर्योदय 6:33 बजे

BSE	NSE
77,860.19	23,559.95
(-197.97)	(-43.40)

सोना	चांदी
8,907 रु.	107,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

विचार करें

जो परदेश गया हर कोई,
सतवादी ना गाँधी है।
पैसे वालों ने ही समझो,
ये तरकीबें साधी है।।
मर्यादाओं को तोड़े तो,
समझो कीमत आधी है।
गया अवैध तरीकों से वो,
सच में तो अपराधी है।।

राज्यपाल के अभिभाषण के बहस पर जवाब में मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर किया हमला, विपक्ष ने फोन टैपिंग बंद करो के लगाए नारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सत्ता और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का नया अध्याय लिखा गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस के हंगामे के बीच राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस का जवाब दिया और विपक्ष को कठघरे में खड़ा किया। खासतौर पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के न बोलने को लेकर मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर षड्यंत्र का आरोप लगाते हुए इसे पार्टी की अंदरूनी कलह करार दिया। हंगामे के बीच विपक्षी विधायक नारे फोन टैपिंग बंद करो, मुख्यमंत्री इस्तीफा दो के नारे लगाते रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने जानबूझकर वंचित वर्ग से आने वाले नेता प्रतिपक्ष को बोलने से रोका, जिससे साफ जाहिर होता है कि पार्टी के भीतर गहरी खींचतान चल रही है। सत्ता पक्ष के इस आरोप से एक ओर जहां कांग्रेस की आंतरिक राजनीति पर सवाल उठते हैं, वहीं दूसरी ओर यह भी स्पष्ट होता है कि भाजपा इस मुद्दे को एक बड़े चुनावी नैरेटिव के रूप में देख रही है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार और धीमी गति का आरोप लगाया। यह बयान स्पष्ट करता है कि भाजपा आने वाले समय में कांग्रेस शासन की नाकामियों को जोर-शोर से उठाकर खुद को मजबूत स्थिति में लाने की रणनीति अपना रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह दावा कि चार साल बाद कांग्रेस विधायक सदन में नजर नहीं आएंगे, यह दिखाता है कि भाजपा अपने चुनावी भविष्य को लेकर बेहद आत्मविश्वास से भरी हुई है। हालांकि, यह दावा करना जल्दबाजी होगी कि कांग्रेस पूरी तरह हाशिए पर चली जाएगी, लेकिन विधानसभा में मौजूदा गतिरोध और कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी को देखते हुए भाजपा के लिए यह अवसर जरूर है कि वह अपनी राजनीतिक जमीन को और मजबूत करे।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर तंज कसते हुए कहा कि मोरिया किसका बोला? यानी उपचुनाव के नतीजे कांग्रेस की हार की ओर इशारा करते हैं। इससे साफ है कि भाजपा राजस्थान में उपचुनाव के परिणामों को कांग्रेस के खिलाफ बड़े हथियार के रूप में इस्तेमाल करने जा रही है।

मुख्यमंत्री का यह बयान कि डोटासरा के चक्कर में आ गए जूली, यह दर्शाता है कि भाजपा विपक्षी एकता को तोड़ने और कांग्रेस में अंतर्विरोध को उजागर करने की रणनीति पर काम कर रही है। वहीं, कांग्रेस के लिए यह जरूरी होगा कि वह अपनी गुटबाजी को खत्म कर एक संगठित विपक्ष की भूमिका निभाए, वरना भाजपा अपने राजनीतिक एजेंडे को मजबूती से आगे बढ़ाने में कामयाब हो जाएगी।

मंत्री के फोन टैपिंग मामले पर कांग्रेस का विधानसभा में हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को विपक्षी कांग्रेस के विधायकों ने प्रदेश सरकार में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के कथित तौर पर फोन टैप किए जाने के मुद्दे पर हंगामा किया, जिस वजह से सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सदन की कार्यवाही शुरू होते ही यह मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि मंत्री का फोन टैप किया जा रहा है और मंत्री ने मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया है। जूली ने कहा, मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस विधायक शुक्रवार को सदन में काली पट्टी बांधकर पहुंचे और कथित फोन टैपिंग के मुद्दे को लेकर आसन के समक्ष आकर नारेबाजी करते रहे।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस विधायकों की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह चोरों का समूह है और विपक्ष का इस तरह का व्यवहार गलत है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधायकों से प्रश्नकाल की कार्यवाही जारी रखने को कहा, लेकिन कांग्रेस विधायक आसन के समक्ष आकर नारेबाजी करने लगे।

विधानसभा अध्यक्ष ने इस वजह से सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। बाद में कांग्रेस विधायक सदन से बाहर आ गए और विधानसभा की सीढ़ियों पर नारेबाजी करने लगे। जूली ने संवाददाताओं से कहा, जब तक मुख्यमंत्री सदन में जवाब नहीं देते, हम सदन की कार्यवाही नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा, यह बहुत बड़ा मुद्दा है राज्य के केबिनेट मंत्री का फोन टैप सरकार करा रही है?... इससे ज्यादा क्या हो सकता है? सरकार जवाब देने के लिये तैयार नहीं है।

हमने कह दिया है जब तक इस बात पर गृहमंत्री या मुख्यमंत्री का जवाब नहीं आयेगा, सदन नहीं चलेगा। सदन में राज्यपाल के बजट अभिभाषण पर शुक्रवार को बहस का आखिरी दिन है। राज्यपाल के अभिभाषण पर नेता प्रतिपक्ष तथा उसके बाद मुख्यमंत्री अपने विचार रखेंगे। मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने अपनी सरकार पर जासूसी का आरोप लगाया।

उन्होंने जयपुर के आमागढ़ मंदिर में बृहस्पतिवार को कार्यक्रम में सरकार को घेरा और कहा कि वह डरने वाले नहीं हैं। इससे पहले अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार में भी इस तरह के आरोप लगे थे। विधानसभा के बाहर कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि सरकार के कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने जिस तरह के गंभीर आरोप लगाए हैं, उसके बाद अब कुछ नहीं बचा है। डोटासरा ने कहा, या तो मुख्यमंत्री जवाब देकर कैबिनेट मंत्री की छुट्टी करें और ये आरोप नकारे... और या मुख्यमंत्री त्यागपत्र दें.. दो ही बात हो सकती है तीसरी कोई बात नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जब तक स्पष्ट बयान नहीं आता, तब तक सदन नहीं चलने दिया जाएगा।

फोन टैपिंग के आरोप लगाना उजागर करता है भाजपा की सच्चाई : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अपने ही कैबिनेट मंत्री द्वारा फोन टैपिंग के आरोप लगाना भाजपा की सच्चाई को उजागर करता है। गहलोत ने शुक्रवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा हमारी सरकार के समय मैंने सदन के पटल पर कहा था कि किसी भी मंत्री, सांसद और विधायक का टेलिफोन सर्विलांस पर नहीं लिया गया और न ही लिया जाएगा। परन्तु भाजपा सरकार पर अपने ही कैबिनेट मंत्री द्वारा फोन टैपिंग के आरोप लगाना भाजपा की सच्चाई उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि यह मामला बहुत गंभीर प्रकृति का है क्योंकि आरोप राजनीतिक लाभ के लिए किसी विपक्षी नेता ने नहीं बल्कि सरकार के कैबिनेट मंत्री ने लगाए हैं।

किरोड़ी लाल मीणा ने अपनी ही सरकार पर लगाया जासूसी का आरोप, राजेंद्र राठौड़ बोले ये चिंताजनक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान सरकार के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने अपनी ही सरकार पर मंत्रियों के कॉल रिकॉर्डिंग करने और सीआईडी लगाने का आरोप लगाया है। भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ ने मीणा के इस बयान को चिंताजनक बताया। भाजपा नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि किरोड़ी लाल पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। सुरक्षा की दृष्टि से अगर पुलिस तंत्र उन पर निगरानी रखता है, अगर निजी या कई अन्य कारणों से उन पर निगरानी की जा रही है तो वो गलत बात नहीं है। मेरा मानना है कि उनका बयान चिंताजनक जरूर है। उन्होंने किस संदर्भ में ऐसा बयान दिया, इसका खुलासा वो स्वयं ही कर सकते हैं। बाकी मुझे विश्वास है कि सरकार इस तरह का कुछ काम नहीं कर रही होगी।

किरोड़ी लाल मीणा राजस्थान के कद्दावर नेताओं में से एक माने जाते हैं। वो सड़क पर उतर कर आंदोलन करने के लिए जाने जाते हैं। गहलोत सरकार में भ्रष्टाचार को लेकर उन्होंने आवाज बुलंद की थी। राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि सरकार बनने से पहले उन्होंने जो मुद्दे उठाए थे, उस वक्त हम भी उनके साथ थे। उन सभी मुद्दों पर हम भी सहभागी थे। सरकार ने अलग-अलग योजना बनाकर उन मुद्दों पर काम किया। प्रदेश सरकार जीरो टॉलरेंस और भ्रष्टाचार के खिलाफ काम कर रही है। मेरे हिसाब से भाजपा जिन मुद्दों पर सरकार में आई है, उस पर काम कर रही है।

बता दें, राजस्थान सरकार के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री किरोड़ी लाल मीणा अपनी ही सरकार के खिलाफ बयान दे रहे हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि मैं निराश हूं कि जो आंदोलन हमने किया, जिसकी वजह से हम सत्ता में आए, अब उन मुद्दों पर काम नहीं हो रहा है। उन मुद्दों को भुला दिया गया है। किरोड़ी लाल मीणा ने सरकार पर मंत्रियों के कॉल रिकॉर्डिंग और उनके पीछे सीआईडी लगाने का भी आरोप लगाया है।

ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दंपति की मौत

जयपुर। राजस्थान के अलवर में शुक्रवार सुबह ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दंपति की मौत हो गई और एक अन्य युवती घायल हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना सुबह 10 बजे वैशाली नगर थाना क्षेत्र में नमन होटल के पास हुई।

वैशाली नगर थाना प्रभारी गुरुदत्त सैनी ने बताया कि हादसे में कासम खान (40) और उनकी पत्नी सहिला खान (40) की मौत हो गई और कासम की बहन जुबैदा घायल है। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि होटल के पास के सभी सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया जा रहा है।

किरोड़ी लाल मीणा बोले, सरकार मेरी जासूसी कर रही, फोन टैप हो रहा, मैं डरता नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने अपनी ही सरकार पर जासूसी करने और फोन टैप करने का संगीन आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मैंने भ्रष्टाचार के कुछ मामले बीच में उठाए थे। 50 फर्जी थानेदारों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि मैंने जब कहा कि ये परीक्षा रद्द करो, तो सरकार ने मेरी बात नहीं मानी। उल्टा सरकार की तरफ से जैसा पिछले राज में हुआ करता था, वैसा ही हो रहा है। चप्पे-चप्पे पर मेरे लिए सीआईडी लगाई जा रही है और मेरा टेलीफोन भी रिकॉर्ड किया जा रहा है। डॉ. मीणा ने कहा कि इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।

गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने राजस्थान विधानसभा में कहा था कि समय मिलावट का है और हां में हां करते जाएंगे तो रिश्ते लंबे चलेंगे। हां जी के दरबार में जो ना जी कहेगा तो मरेगा। मेरी हां कहने की आदत नहीं है, लेकिन जो कहता हूं, सच कहता हूं। मुझे इस बात का दर्द है। मीडिया से चर्चा के दौरा किरोड़ी लाल मीणा का दर्द छलक पड़ा था। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में विपक्ष की भूमिका किसने निभाई? मुझे पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता भी नहीं करने दी गई, लेकिन मैं सड़क खड़ा रहा। उसके आधार पर हम सत्ता में आए। जब मुद्दे मरते हैं और परिणाम नहीं निकलता है तो मैं भी मुरझा जाता हूं और दुख होता है।

श्रद्धांजलि

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने शुक्रवार को उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के निजी आवास पर पहुंचकर उनके पिता स्व. कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि करती हुई।

बैंकॉक से आई फ्लाइट में सांप-बिच्छू की तस्करी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक चौंकाने वाला मामला पकड़ा है। बैंकॉक से आई फ्लाइट में दो संदिग्ध यात्री खतरनाक जीवों की तस्करी कर रहे थे। जब उनकी तलाशी ली गई तो सात प्लास्टिक के डिब्बों में विभिन्न प्रजातियों के सांप, मकड़ियां और बिच्छू मिले। जांच में सामने आया कि इन जीवों को नशे के लिए इस्तेमाल किया जाना था। नशे के लिए सांपों और बिच्छुओं का उपयोग करना किसी हॉलीवुड फिल्म की साजिश जैसा लगता है, लेकिन यह वास्तविकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कई देशों में 'स्नेक बाइट' ड्रग का चलन बढ़ रहा है, जिसमें जहरीले सांपों का जहर या उनके काटने से उत्पन्न रसायनों का उपयोग किया जाता है।

नशेड़ी लोग सांप को पकड़कर खुद को डसवाते हैं। शुरू में हाथ की उंगली या पैर के अंगूठे में डसवाया जाता है, फिर धीरे-धीरे होठ, कान और जुबान तक पहुंच जाते हैं। कोबरा और अन्य जहरीले सांपों के जहर को सुखाकर पाउडर बनाया जाता है, जिसे ड्रिंक्स में मिलाकर लिया जाता है।

कुछ लोग सांप को बोतल में बंद करके उसके डंक से अपना नशा पूरा करते हैं। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में नशे के लिए कोबरा (नाजा नाजा), कॉमन क्रेट (बुंगारस कैर्यूलस) और हरा सांप (ओफियोड्रिस वर्नालिस) का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है। दोनों आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि उन्हें इस खेप की असली सच्चाई की जानकारी नहीं थी। हालांकि, कस्टम विभाग और वन विभाग इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रहे हैं। यह मामला दर्शाता है कि ड्रग्स की दुनिया में नए और खतरनाक तरीके अपनाए जा रहे हैं। पहले जहां नशीले पदार्थों की तस्करी पारंपरिक ड्रग्स तक सीमित थी, अब जीवित प्राणियों को भी इस काले बाजार का हिस्सा बनाया जा रहा है।

राज्य में भू-जल स्तर बढ़ाने के हो रहे सार्थक प्रयास : कन्हैया लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भू-जल मंत्री कन्हैया लाल ने कहा कि राज्य सरकार भू-जल स्तर बढ़ाने व वर्षाजल संरक्षण करने के लिए प्रभावी कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक को अटल भू-जल योजना में जोड़ने के लिए केन्द्र सरकार से आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि राज्य के भू-जल संसाधनों की नवीनतम आकलन रिपोर्ट वर्ष-2024 में 295 पंचायत समितियों तथा 7 शहरी क्षेत्रों सहित कुल 302 इकाइयों का आंकलन किया गया है। जिसमें 214 इकाइयां अतिदोहित, 27 इकाइयां संवेदनशील, 21 इकाइयां अर्द्धसंवेदनशील, 37 इकाइयां सुरक्षित तथा 3 इकाइयां लवणीय श्रेणी के अन्तर्गत वर्गीक्रत हैं। उन्होंने बताया कि राज्य की भू-जल दोहन दर 149.86 प्रतिशत रही है।

भू-जल मंत्री शुक्रवार को प्रश्नकाल में इस संबंध में सदस्य द्वारा पूछे गये पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि जनवरी 2019 से 31 दिसम्बर 2023 के दौरान वर्षा जल संरक्षण हेतु भू-जल पुनर्भरण के प्रचलित तकनीकी उपायों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की कृत्रिम भू-जल संचरनाओं का निर्माण करवाया गया। इसी कारण भीलवाड़ा के भू-जल परिदृश्य में सकारात्मक परिणाम दर्ज किए गए। उन्होंने बताया कि विभिन्न योजनाओं के तहत किए गए कार्यों के परिणामस्वरूप भीलवाड़ा की 12 पंचायत समितियों में से 7 पंचायत समितियों आसीन्द, बिजोलिया, जहाजपुर, कोटड़ी, मांडलगढ, शाहपुरा और सुवाणा में औसत भू-जल स्तर में बढोतरी दर्ज की गई। उन्होंने भीलवाडा की पंचायत समितियों की औसत भूजल स्तर की विस्तृत रिपोर्ट सदन की मेज पर रखी।

इससे पहले विधायक गोपीचन्द मीणा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि जनवरी 2019 से 31 दिसंबर 2023 के दौरान भीलवाडा में भू-जल स्तर बढ़ाने व वर्षाजल संरक्षण करने के लिए जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा विभिन्न विभागों के समन्वय से कार्य किया गया। जिसमें विभिन्न योजनाओं के तहत फार्म पोण्ड, जल संरक्षण संरचनाऐं, परकोलेशन टैंक, संकन टैक, एनिकट इत्यादि का निर्माण अथवा पुनरुद्धार किया गया।

अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प सूरजकुंड मेले में राजस्थान पवेलियन हुआ शुरू, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने किया सूरजकुंड मेले का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। हरियाणा के फरीदाबाद में शुक्रवार केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र शेखावत ने 38 वें अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प सूरजकुंड मेले का शुभारंभ किया। इस दौरान श्री शेखावत ने मेले में राजस्थान पैवेलियन का दौरा किया। श्री शेखावत ने राजस्थान पवेलियन में लगे यूनेस्को हैरिटैज मोनिमेंट्स की तारीफ की। सूरजकुंड मेले में 7 से 23 फरवरी तक आयोजित होने वाले मेले में रात के समय 18 लाइव इवेंट्स होंगे। शनिवार को राजस्थान के लोक कलाकार मामे खान का इवेंट रहेगा। इस बार सूरजकुंड मेले में 42 देशों के 648 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे. ओडिशा और मध्य प्रदेश इस बार मेले के दो थीम राज्य हैं। सूरजकुंड मेला दुनिया का सबसे बड़ा शिल्प मेला बन चुका है, जो भारत की समृद्ध कला परंपराओं को संजोए हुए है।1987 में शुरू हुआ ये शिल्प मेला कारीगरों को सीधा बाजार उपलब्ध कराकर उनकी आजीविका को सशक्त बनाने और भारत सरकार के वोकल फॉर लोकल तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ये मेला छोटे और मध्यम उद्यमियों के लिए एक लॉन्च पैड की तरह काम करता है। मेला विशेषतौर पर महिला उद्यमियों को उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद रहा है. जिससे महिला सशक्तिकरण को बल मिलता है।

चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र में विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को प्राथमिकता से भरा जाएगा : दिलावर

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा है कि चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र में विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को विभागीय पदोन्नति समिति तथा राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर से चयनित आशार्थी उपलब्ध होने पर प्राथमिकता से भरा जाएगा। दिलावर प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने आवश्यकता का आकलन किये बिना मनमर्जी तरीके से विद्यालय खोले। उन्होंने बताया कि चार हजार से ज्यादा विद्यालय ऐसे हैं, जिनमें पद ही स्वीकृत नहीं किये और जो पद स्वीकृत हुए उन्हें भरा नहीं गया। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए हिन्दी माध्यम के विद्यालयों पर अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का बोर्ड चिपका दिया। इससे हिन्दी और अंग्रेजी दोनों ही माध्यमों के बच्चों का भविष्य अनिश्चितता में लटक गया। इसी प्रकार कई बालिका विद्यालयों को भी बदलकर अंग्रेजी माध्यम में बदल दिया।

इसके चलते बालिकाओं को स्कूल छोड़कर दूर-दराज की स्कूल में दाखिला लेना पड़ा या पढ़ाई छोड़नी पड़ी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक विद्यालय के बारे में जानकारी लेकर समीक्षा की जा रही है। इस संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा एक समिति का गठन किया गया है।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से शुक्रवार को राजभवन में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल बागड़े ने उनका राजभवन में अभिनंदन किया। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

भारतीय मछुआरों को श्रीलंका द्वारा गिरफ्तार किए जाने के मुद्दे पर हस्तक्षेप करे केंद्र : द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। द्रमुक के सदस्यों ने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी के मुद्दे को लोकसभा में उठाया तथा केंद्र से हस्तक्षेप की मांग की। द्रमुक के कई सदस्यों ने प्रश्नकाल के तुरंत बाद इस मुद्दे पर नारेबाजी की और बोलने की अनुमति मांगी। पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने इस मामले पर पार्टी सांसद कनिमोझी को बोलने की अनुमति दी। कनिमोझी ने दावा किया कि राज्य के मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा परेशान किया जा रहा है और गिरफ्तार किया जा रहा है तथा उनमें से 97 से अधिक मछुआरे पड़ोसी देश की जेलों में बंद हैं। उन्होंने दावा किया कि मछुआरों को गोली मारी जा रही है तथा उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है।

कनिमोझी ने श्रीलंका द्वारा मछली पकड़ने वाली 210 से अधिक नौकाओं को जब्त किए जाने का दावा किया। द्रमुक के नेतृत्व में तमिलनाडु के कांग्रेस और वाम दलों के सांसदों ने संसद परिसर में इस मुद्दे पर प्रदर्शन किया। सांसदों ने 'तमिल मछुआरों के लिए न्याय', 'हमारे मछुआरों को वापस लाओ', 'अब और गिरफ़्तारियां नहीं' और 'तमिलनाडु के मछुआरे भारतीय हैं' लिखी तख्तियां थामे हुए मांग की कि सरकार इस मुद्दे का स्थायी समाधान निकाले।

तमिलनाडु ने पुरुष टेनिस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, फाइनल में कर्नाटक को हराया

देहरादून। तमिलनाडु की पुरुष टीम ने शुक्रवार को यहां 38वें राष्ट्रीय खेलों की टेनिस स्पर्धा के फाइनल में कर्नाटक पर 2-0 की जीत से स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अभिनव षणमुगम ने पहले मुकाबले में ऋषि रेड्डी को 3-6, 7-6 (8-6), 6-4 से हराकर तमिलनाडु को बढ़त दिला दी। सेमीफाइनल की तरह ऐसा लग रहा था कि कर्नाटक के नंबर एक खिलाड़ी एसडी प्रज्वल देव अच्छी शुरुआत के साथ इसे बराबर कर देंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और मैसूर के 28 वर्षीय खिलाड़ी को मनीष सुरेशकुमार ने 5-7 6-4 6-4 से शिकस्त दी।

मलेशिया जाने वाला विमान 'आपातकालीन स्वास्थ्य स्थिति' के कारण चेन्नई में उतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर जाने वाले एक अंतरराष्ट्रीय विमान को 'आपातकालीन स्वास्थ्य स्थिति' के कारण चेन्नई में शुक्रवार को उतरना पड़ा। हवाई अड्डे के आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि ओमान के मस्कट से आ रहे विमान के एक यात्री ने बेचैनी की शिकायत की, जिसके बाद विमान के पायलट ने चेन्नई हवाई अड्डे के अधिकारियों से संपर्क किया और विमान को यहां उतारने की अनुमति देने का अनुरोध किया। उन्होंने अधिक जानकारी न देते हुए बताया कि अपराह्न करीब दो बजे विमान यहां उतरा, जिसके तुरंत बाद मेडिकल टीम मौके पर पहुंची।

तमिलनाडु: उधगमंडलम में ठंड का प्रकोप, तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस पहुंचा

उधगमंडलम (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के ऊधगमंडलम शहर में शुक्रवार को एक महीने में दूसरी बार पारा शून्य डिग्री सेल्सियस तक नीचे चले जाने से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने मौसम संबंधी नवीनतम आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि ऊटी के नाम से मशहूर उधगमंडलम और सांदीनल्ला में शून्य डिग्री तापमान दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि उधगमंडलम और कंथल तथा थलाईकुंथा सहित आस-पास के इलाकों के कई हिस्सों में बर्फ की हल्की परत छाई दिखी। उधगमंडलम में तापमान गिरने से खुले में खड़ी गाड़ियां बर्फ से ढंक गईं, कंटेनरों में रखा पानी जम गया। लोग अपने चार पहिया वाहनों के विंडशील्ड से बर्फ हटाते देखे गए। भीषण ठंड से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। उधगमंडलम की सड़कें वीरान दिखीं और सड़कों पर बहुत कम गाड़ियां नजर आईं तथा लोगों ने खुद को घरों के अंदर ही सीमित कर लिया। शुक्रवार सुबह कई जगहों पर लोग खुद को गर्म रखने के लिए अलाव सेंकते नजर आए। इस वर्ष जनवरी की शुरुआत में भी इस क्षेत्र में पारा शून्य और पास के अवलांचे में तापमान शून्य से दो डिग्री सेल्सियस नीचे तक चला गया था, तब ऐसी ही मौसमी स्थिति देखने को मिली थी।

तमिलनाडु में गर्भवती महिला के यौन उत्पीड़न का प्रयास, चलती ट्रेन से धक्का दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लोर (तमिलनाडु)/भाषा। जिले के काटपाडी के पास चलती ट्रेन में चार महीने की गर्भवती एक महिला के यौन उत्पीड़न का प्रयास करने और उसे बोगी से धक्का देने के आरोप में 31 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आंध्र प्रदेश के चित्तूर की रहने वाली 36 वर्षीय पीड़िता बृहस्पतिवार रात महिला डिब्बे में अकेले यात्रा कर रही थी और इस दौरान 'हिस्ट्रीशीटर' बताया जाने वाला व्यक्ति जोलारपेट रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ा तथा उसके यौन उत्पीड़न का प्रयास किया। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि महिला विरोध करते हुए खुद को बंद करने के लिए शौचालय की ओर भागी, लेकिन आरोपी ने पीछा कर उसे ट्रेन से धक्का दे दिया, जिसकी वजह से पीड़िता के हाथ और पैर में 'फ्रैक्चर' हो गया। घटनास्थल से गुजर रहे लोगों ने उसे ट्रेन से गिरते देखा और वेल्लोर के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से गिरफ्तार किए गए केवी कुप्पम के निवासी हेमराज को हाल ही में चेन्नई में एक महिला की हत्या के मामले में जमानत पर रिहा किया गया था।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि 2022 में उसके खिलाफ गुंडा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। पीड़िता कई साल से तमिलनाडु के तिरुपुर में दर्जी का काम करने वाले अपने पति और बेटे के साथ रह रही है। वह चित्तूर में अपनी मां के घर जाने के लिए बृहस्पतिवार रात अकेले कोयंबटूर-तिरुपति इंटरसिटी एक्सप्रेस में सवार हुई थी।

केरल का वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश, वित्त मंत्री ने कहा, राज्य वित्तीय संकट से उबरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के वित्त मंत्री के. एन. बालगोपाल ने शुक्रवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करते हुए कहा कि राज्य वित्तीय संकट के सबसे खराब दौर से उबर चुका है और इस मुश्किल समय में कोई कल्याणकारी योजना या विकास कार्य प्रभावित नहीं हुआ।

विधानसभा में पिनराई विजयन नीत सरकार का पांचवां बजट पेश करते हुए बालगोपाल ने वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के पुनर्वास के लिए 750 करोड़ रुपये की परियोजना की घोषणा की। बालगोपाल ने कहा कि वायनाड के मुंडक्कई और चूरलमाला गांव में भीषण आपदा आई, जिससे केरल गहरे शोक में डूब गया।

मंत्री ने कहा कि इस आपदा में 200 से अधिक लोगों की जान गई, सैकड़ों संपत्तियां नष्ट हो गईं और हजारों लोगों ने अपनी आजीविका खो दी। भूस्खलन के कारण अनुमानित करीब 1,202 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ जबकि पुनर्वास की लागत लगभग 2,221 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है, जैसा कि विशेषज्ञों के एक दल ने अनुमान लगाया है। उन्होंने कहा कि 2025-26 के केंद्रीय बजट में मुंडक्कई-चूरलमाला आपदा के लिए कोई सहायता आवंटित नहीं की गई है।

मंत्री ने कहा, '' राज्य सरकार को अब भी उम्मीद है कि केंद्र केरल को भी वैसा ही सहयोग देगा जैसा उसने अन्य राज्यों को दिया है।'' उन्होंने कहा कि वामपंथी सरकार अपने वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। बालगोपाल ने कहा, '' पुनर्वास प्रयास निर्धारित समय के भीतर पूरे कर लिए जाएंगे।'' अपने संबोधन के दौरान मंत्री ने कहा कि राज्य ने वित्तीय संकट के बावजूद सभी सामाजिक कल्याण योजनाओं और विकास परियोजनाओं को पूरा किया है।

बालगोपाल ने कहा कि सरकार ने अल्पसंख्यक समुदायों और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति पर 3,820 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने कहा कि

चूंकि केंद्र ने पहली से आठवीं क्षा तक के अल्पसंख्यक छात्रों के लिए छात्रवृत्ति वापस ले ली है, इसलिए केरल सरकार ने अपनी 'मार्ग दीपम' परियोजना के तहत इन कक्षाओं के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 200 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। अन्य आवंटन में राज्य में जैव-एथनॉल निर्माण की लागत प्रभावी विधियों पर अनुसंधान के लिए 10 करोड़ रुपये, पुराने तथा अप्रचलित सरकारी वाहनों को बदलने के लिए 100 करोड़ रुपये और राज्य में जंगली जानवरों के हमलों से निपटने के लिए विशेष पैकेज के तौर पर अतिरिक्त 50 करोड़ रुपये शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार को उम्मीद है कि 2025 के अंत तक विस्तारित राष्ट्रीय राजमार्ग को जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

बजट में बालगोपाल ने राज्य में पर्यटन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए के-होम्स परियोजना भी पेश की। इस परियोजना के तहत खाली पड़े मकानों को पर्यटकों के लिए रहने लायक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल का मकसद दुनियाभर में इसी प्रकार की परियोजनाओं के प्रचलित मॉडल को अपनाकर किफायती आवास उपलब्ध कराना है।

मंत्री ने कहा कि मकान मालिकों के लिए आय उत्पन्न करने के अलावा यह परियोजना खाली मकानों की सुरक्षा और रखरखाव भी सुनिश्चित करेगी।

बालगोपाल ने साथ ही बताया कि तिरुवनंतपुरम मेट्रो परियोजना का काम इसी वर्ष शुरू हो जाएगा।

वित्त मंत्री ने घोषणा की कि सैन्य पेंशन के संशोधित बकाये के लिए 600 करोड़ रुपये की अंतिम किस्त का भुगतान इसी महीने किया जाएगा। बालगोपाल ने बताया कि केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) बड़ी परियोजनाओं के लिए 500 करोड़ रुपये अलग रखेगा।

बालगोपाल के बजट पेश किए जाने से पहले राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी. डी. सतीशन ने यह कहते हुए व्यवस्था का मुद्दा उठाया कि बजट पेश करने से पहले सदन में कोई आर्थिक समीक्षा नहीं रखी गई। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा पहले भी उठाया गया है और तत्कालीन अध्यक्ष ने फैसला सुनाया था कि बजट से पहले आर्थिक समीक्षा न रखना एक मिसाल नहीं बननी चाहिए।

सतीशन ने कहा, '' अध्यक्ष के फैसले सुनाने के दो वर्ष बाद इसका फिर उल्लंघन किया गया। यह अनुचित है। अध्यक्ष को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसा दोबारा न हो।'' इसके बाद, विधानसभा अध्यक्ष ए. एन. शमशीर ने कहा कि बजट से पहले आर्थिक समीक्षा पेश करना जरूरी है और उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में ऐसा सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए जाएंगे। बजट पर चर्चा 10 से 12 फरवरी को होगी, जबकि अनुपूरक मांग पर चर्चा और मतदान 13 फरवरी को होगा।

केरल के मुख्यमंत्री ने बजट को 'रचनात्मक' बताया, विपक्ष ने इसे 'खोखला' कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शुक्रवार को राज्य के वित्त मंत्री के. एन. बालगोपाल द्वारा पेश किए गए बजट की सराहना करते हुए इसे केरल के विकास के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने वाला ''रचनात्मक'' बजट बताया, जबकि कांग्रेस नीत विपक्ष ने इसे ''खोखला'' करार दिया।

विजयन ने एक बयान में कहा, ''केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय बाधाओं और आर्थिक भेदभाव किए जाने के बावजूद, 2025-26 के बजट में केरल के विकास और लोगों के कल्याण के लिए एक दृष्टिकोण अपनाया गया है। बजट अल्पकालिक राहत और दीर्घकालिक विकास पर केंद्रित है।'' उन्होंने कहा कि आम लोगों के जीवन पर बोझ डाले बिना संसाधन जुटाए गए हैं तथा राजस्व सृजन के लिए नए रास्ते तलाशे गए हैं।

विजयन ने कहा कि केंद्र द्वारा केरल को उसका उचित हिस्सा नहीं दिए जाने के कारण उत्पन्न वित्तीय चुनौतियों के

बावजूद यह बजट जनकल्याण और विकास दोनों के लिए प्रतिबद्ध है।

विज्ञप्ति में कहा गया कि बजट का उद्देश्य राष्ट्रीय परिदृश्य में बढ़ती कीमतों के प्रभाव से आम उपभोक्ताओं की रक्षा करना है और ''नव केरलम'' (नया केरल) के सृजन, ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ाने, बुनियादी ढांचे का विस्तार करने, युवा पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित करने तथा लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करना है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य का बजट रचनात्मक है जो केरल के विकास दृष्टिकोण को नई गति प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, बजट में प्रमुख घोषणाओं में शैक्षणिक संस्थानों को उच्च मानकों तक अद्यतन करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की दक्षता बढ़ाने के उपाय शामिल हैं।

विधानसभा में विपक्ष के नेता वी. डी. सतीशन ने आरोप लगाया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वाम सरकार के बजट में केरल की वित्तीय स्थिति का कोई उल्लेख नहीं है और यह केवल ''खोखले'' शब्दों से भरा है।

केरल के पलक्कड़ में हाथी ने महावत को मार डाला

पलक्कड़ (केरल)/भाषा। केरल में पलक्कड़ जिले के कुट्टनाड में मस्जिद में 'नेरचा' समारोह के दौरान एक हाथी के उत्पात मचाने से एक महावत की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े 10 बजे की है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार कुट्टनाड शुहादा मखम (मस्जिद) में सुपुर्द-ए-खाक किए गए संतों की याद में प्रतिवर्ष 'नेरचा' समारोह आयोजित किया जाता है। वल्लमकुलम नारायणन कुट्टी नाम के हाथी के हमले में कोट्टायम निवासी 42 वर्षीय कुंजुमन इब्राहिम नामक महावत और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। यह घटना वार्षिक 'नेरचा' समारोह के दौरान हुई जिसमें 28 टीम के कई हाथियों ने भाग लिया था। पुलिस ने बताया कि हाथी ने कुंजुमन पर उस समय हमला किया जब वह कार्यक्रम से लौट रहा था। पीड़ित को कुन्नमकुलम के एक अस्पताल ले जाया जा रहा था,लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। दूसरे घायल व्यक्ति को मामूली चोटें लगी हैं। पुलिस ने बताया कि हाथी को आखिरकार काबू में करके दूर ले जाया गया।

तमिलनाडु में कंपनी ने कर्मचारियों को 14.5 करोड़ रुपए का बोनस दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। तमिलनाडु स्थित सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (एसएएएस) कंपनी कोवाई.को ने उनकी सेवाओं का 'सम्मान' करते हुए अपने 260 कर्मचारियों में से 140 को 14.5 करोड़ रुपये का बोनस देने की पेशकश की है। जो कर्मचारी 31 दिसंबर, 2022 को या उससे पहले शहर स्थित कंपनी में शामिल हुए हैं, उन्हें तीन साल का कार्यकाल पूरा होने पर उनके सकल वार्षिक वेतन का 50% बोनस के रूप में मिलेगा। कोवाई.को ने कंपनी के मुनाफे को कर्मचारी आधार के साथ साझा करने के लिए 2022 में मौजूदा और नए कर्मचारियों के लिए 'टुगेदर वी ग्रो' बोनस पेश किया है। कंपनी कोयंबटूर के अलावा लंदन और चेन्नई में भी उपस्थित है।

कंपनी ने कहा कि तदनुसार, लाभार्थियों के पहले जत्थे में से लगभग 80 लोगों को जनवरी के वेतन के हिस्से के रूप में बोनस मिलेगा। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और संस्थापक सरवन कुमार ने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि कंपनी की सफलता और मुनाफे में योगदान देने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाना चाहिए। धन साझा करने और वितरित करने के तरीके खोजना भी मेरा सपना रहा है। कुमार ने कहा कि बोनस विकल्प के साथ आने से पहले वे कर्मचारियों को पुरस्कृत करने के लिए अन्य वैकल्पिक विकल्पों पर विचार कर रहे थे। उन्होंने बयान में कहा, हमने कर्मचारी स्टॉक स्वामित्व योजना या शेयरों पर विचार किया। लेकिन यह 'कागजी मुद्रा' है जो तब तक प्राप्त नहीं होती जब तक कंपनी बाहरी पूंजी नहीं जुटाती या अपने शेयरों को सूचीबद्ध करने का निर्णय नहीं लेती। कंपनी ने नकद पुरस्कार देने का विकल्प चुना है, ताकि उसके कर्मचारी इसका उपयोग अपनी इच्छानुसार कर सकें।

कोच्चि हवाई अड्डे पर कूड़े भरे गड्ढे में गिरने से 3 साल के बच्चे की मौत

कोच्चि। केरल के कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर में कचरे से भरे एक गड्ढे में शुक्रवार को गिर जाने से तीन साल के एक बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उक्त बच्चा राजस्थान के एक दंपति का था। उसने बताया कि बच्चे की पहचान राजस्थान निवासी रिधान जाजू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, बच्चा अपने माता-पिता के साथ नेदुम्बस्सेरी पहुंचा था। वह अपने बड़े भाई के साथ बाहर खेल रहा था, तभी अचानक वह कचरे से भरे गड्ढे में गिर गया। घटना के वक्त उसके माता-पिता एक कैफे में बैठे हुए थे। उसने बताया कि घटना के बाद बच्चे को एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वह बच नहीं सका।कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (सीआईएएल) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, घरेलू टर्मिनल के पास स्थित कैफे के पीछे के उस हिस्से में दोपहर को यह हादसा हुआ, जहां आगंतुकों का आना वर्जित है। उक्त परिवार कुछ लोगों के साथ कोच्चि पहुंचा था और जब उन्हें पता चला कि उनका बच्चा गायब है, तो उन्होंने सीआईएएल के सुरक्षा कर्मचारियों को इसकी सूचना दी। विज्ञप्ति में कहा गया कि इसके बाद सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि बच्चा गड्ढे में गिर गया है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री को राहत, एमयूडीए मामले की जांच सीबीआई को सौंपने से उच्च न्यायालय का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को राहत देते हुए सूचना का अधिकार (आरटीआई) कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने एमयूडीए भूमि आवंटन मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का अनुरोध किया था। सिद्दरामय्या मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा उनकी पत्नी पार्वती को 14 भूखंड आवंटित किए जाने में अनियमितताएं बरते जाने के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

स्नेहमयी कृष्णा ने अपनी याचिका में दलील दी थी कि सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री होने के नाते राज्य के विभागों, विशेषकर पुलिस प्राधिकारियों और कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस जैसी राज्य की जांच एजेंसियों पर अत्यधिक प्रभाव रखते हैं, ऐसे में निष्पक्ष जांच संभव नहीं है। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने फैसला सुनाते हुए कहा कि लोकायुक्त कार्यालय की स्वतंत्रता पर कोई प्रश्न नहीं उठता।

उन्होंने कहा, मामले से संबंधित दस्तावेजों से कहीं भी यह संकेत नहीं मिलता कि लोकायुक्त द्वारा की गई जांच पक्षपातपूर्ण, एकतरफा या कमजोर है, जिसके कारण इस अदालत को मामला विस्तृत जांच या फिर से जांच के लिए सीबीआई को सौंपना पड़े....याचिका खारिज की जाती है।

लोकायुक्त पुलिस ने सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी, रिश्तेदार बी. एम. मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू (जिनसे स्वामी ने एक भूखंड खरीदकर पार्वती को उपहार में दिया था) तथा अन्य को मैसूरु में 27 सितंबर को दर्ज की गई प्राथमिकी में नामजद किया था। यह प्राथमिकी पूर्व और मौजूदा सांसदों/विधायकों से जुड़े आपराधिक मामलों से संबंधित विशेष अदालत के आदेश के बाद दर्ज की गई थी। न्यायाधीश ने कहा कि उन्होंने तीन प्रश्नों पर विचार किया - क्या लोकायुक्त कार्यालय की स्वतंत्रता संदिग्ध है; किन परिस्थितियों में संवैधानिक न्यायालयों ने जांच, विस्तृत जांच, पुनः जांच सीबीआई को सौंपी, किन मामलों को सौंपने से इनकार दिया; और क्या लोकायुक्त द्वारा की गई जांच के संबंध में उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों के आधार पर मामले को विस्तृत जांच या पुनः जांच के लिए सीबीआई को सौंपा जाना चाहिए। नागप्रसन्ना ने कहा, इस मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा बताई गई ऐसी कोई खामी नहीं है, जिसके कारण मामले को विस्तृत जांच या पुनः जांच के लिए सीबीआई को सौंपा जाए।

एमयूडीए मामला

उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगे याचिकाकर्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका को खारिज किए जाने के बाद मामला दर्ज करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने शुक्रवार को कहा कि वह इस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी पार्वती बी. एम. को उनसे अधिग्रहित भूमि के बदले में रिहायशी इलाके में 14 स्थल आवंटित करने में अनियमितता के आरोप हैं।

कृष्णा ने कहा, यह मेरी लड़ाई में एक झटका है, लेकिन मेरे विचलित होने या अपनी लड़ाई से पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है। हम अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। हम उच्चतम न्यायालय में अपील दायर करेंगे और मामला सीबीआई को सौंपने के लिए अपने प्रयास जारी रखेंगे। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, जिन आधारों पर उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज की है, उनके मद्देनजर हम अपने वकीलों से इस बारे में चर्चा करेंगे कि इस पर क्या जवाब दिया जाए और जरूरी दस्तावेज भी साथ लेकर जाएं। हम इस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगे और सीबीआई जांच का अनुरोध करेंगे।

उन्होंने कहा, हमने उच्च न्यायालय को यह समझाने की कोशिश की कि लोकायुक्त पुलिस आरोपियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच नहीं कर रही है, लेकिन हम यह जानने का प्रयास करेंगे कि उच्च न्यायालय ने किस आधार पर आदेश दिया है। उसके आधार पर हम मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का प्रयास करेंगे। अपनी याचिका में स्नेहमयी कृष्णा ने दलील दी है कि निष्पक्ष जांच संभव नहीं है, क्योंकि मुख्यमंत्री होने के नाते सिद्दरामय्या राज्य के विभागों, विशेष रूप से राज्य की जांच एजेंसियों जैसे पुलिस अधिकारियों और कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस पर बहुत अधिक प्रभाव रखते हैं।

पूर्व एवं निर्वाचित सांसदों/विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों को देखने वाली विशेष अदालत के आदेश के बाद सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी, बहनोई बी. एम. मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू - जिनसे स्वामी ने एक जमीन खरीदी थी और इसे पार्वती को उपहार में दिया था और अन्य को 27 सितंबर को मैसूरु स्थित लोकायुक्त पुलिस प्रतिष्ठान द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी में नामित किया गया है।

कृष्णा ने कहा कि लोकायुक्त की रिपोर्ट के आधार पर जांच सही दिशा में हो रही है, इसलिए उच्च न्यायालय ने यह फैसला दिया है। उन्होंने कहा कि आदेश मिलने के बाद, इसमें मौजूद खामियों के आधार पर तुरंत सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त की जांच के एकतरफा होने का संदेह है और इसके सबूत भी हैं।

सुविचार

जब विश्वास जुड़ता है तो पराये भी अपने हो जाते है और जब विश्वास टूटता है तब अपने भी पराये हो जाते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अब भारत करे कार्रवाई

अमेरिका में अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तौर-तरीकों की आलोचना होने के बावजूद सरकार पीछे हटने को तैयार नहीं है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देशवासियों को दिखाना चाहते हैं कि चुनाव प्रचार के दौरान जो वादे किए थे, उन्हें मजबूती से निभा रहे हैं। अमेरिका के विभिन्न शहरों से अवैध प्रवासियों की धर-पकड़ के विरोध में स्वर तो उठे, लेकिन अब इस तर्क को भी समर्थन मिलने लगा है कि 'जो लोग चोरी-छिपे किसी देश में दाखिल हो जाएं, उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होनी चाहिए?' अभी अमेरिका ऐसे और लोगों को निकालेगा। इससे यह धारणा दृढ़ होगी कि अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करने के लिए अवैध प्रवासियों को निकालना न्यायोचित है। अब इसी तर्क को आधार बनाकर भारत को भी अपनी जमीन पर रहने वाले अवैध बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं और तमाम घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर लेनी चाहिए। भारत इनका बोझ क्यों उठाए? भारत सरकार की जिम्मेदारी अपने नागरिकों का कल्याण करने की है। हमारे संसाधनों से अवैध बांग्लादेशी, रोहिंग्या और अन्य घुसपैठिए मौज क्यों उड़ाएं? भारतीय करदाताओं का एक-एक पैसा भारत के नागरिकों की सुख-समृद्धि के काम आना चाहिए। अब तो 'महाशक्ति' अमेरिका खुलकर स्वीकार कर चुका है कि उसके यहां महंगाई, बेरोजगारी और अपराधों में वृद्धि के पीछे अवैध प्रवासियों का बड़ा किरदार है। ये समस्याएं हमारे देश में भी हैं। यहां अवैध प्रवासी हमारे संसाधनों का लुत्फ उठा रहे हैं। वे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसरों को संकुचित कर रहे हैं। उनमें से बहुत लोग अपराधों में लिप्त हैं। हाल में अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के आरोप में एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया था।

भारत में अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए यह बहुत अनुकूल समय है। प्राय: ऐसी कार्रवाइयों पर अमेरिकी सरकार बहुत सवाल उठाती है। उसके अधिकारी प्रेसवार्ताओं में मानवाधिकारों का मुद्दा उठाते हुए यह जरूर कहते हैं कि 'हम स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए हैं।' उसके कथित थिंक टैंक तो सालभर ही ऐसी रिपोर्टें प्रकाशित करते रहते हैं, जिनमें 'असहिष्णुता' पर बहुत चिंता जताई जाती है। अब उनके पास भारत को ऐसी नसीहत देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। ट्रंप के आदेश पर अवैध प्रवासियों को जंजीरों से जकड़कर सैन्य विमानों से रवाना किया जा रहा है। सोचिए, अगर भारत सरकार इससे आधी तादाद में अवैध प्रवासियों को यात्री विमान / वाहन में बहुत गरिमापूर्ण ढंग से भेजने की कोशिश करती तो अब तक कई संगठन इस कार्रवाई के विरोध में धरने पर बैठ जाते। कुछ बुद्धिजीवी तो अदालत का दरवाजा खटखटाते हुए पूरी प्रक्रिया को अवरुद्ध करने की कोशिश करते। वे इन तर्कों के साथ इधर ही घुसपैठियों के टिके रहने का आधार तैयार करते- 'अब ये कहां जाएंगे ... हम तो वसुधैव कुटुंबकम को मानने वाले लोग हैं ... यहां इतने सारे लोग रहते हैं, ये भी रहेंगे तो क्या हो जाएगा ... क्या इन्हें निकालने से महंगाई कम हो जाएगी ... कभी तो हम एक ही थे ... ये सब लोग थोड़े ही अपराध करते हैं ... अगर इन्हें निकालेंगे तो अमेरिका क्या कहेगा, दुनिया क्या कहेगी ...!' अवैध प्रवासियों की हिमायत में खड़े होने वाले संगठन अमेरिका में भी हैं, लेकिन राष्ट्रपति की सख्ती के आगे वे विवश हैं। ट्रंप को अमेरिकी नागरिकों से समर्थन मिल रहा है। वे स्पष्ट कर चुके हैं कि उनकी प्राथमिकता सूची में 'अमेरिका' और 'उसके लोगों की भलाई' हैं। उनकी कार्यशैली को पसंद या नापसंद किया जा सकता है, लेकिन इस बात से हर विवेकशील व्यक्ति सहमत होगा कि अपने नागरिकों को वंचित रखकर विदेश से अवैध ढंग से आए लोगों का पालन-पोषण करना उस सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। भारत भी अपनी जमीन पर ऐसे लोगों को बिल्कुल बर्दाश्त न करे। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

ट्वीटर टॉक

अंजू कुमारी ने पुलिस अधिकारी बनकर यह साबित किया है कि दृढ़ निश्चय और सही समर्थन से सब कुछ हासिल किया जा सकता है। राजस्थान सरकार की महिलाओं और युवाओं को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों ने उनकी राह को आसान बनाया है।

-भजनलाल शर्मा

हमारी सरकार के समय मैंने सदन के पटल पर कहा था कि किसी भी मंत्री, सांसद और विधायक का टेलिफोन सर्विलांस पर नहीं लिया गया और न ही लिया जाएगा। परन्तु भाजपा सरकार पर अपने ही कैबिनेट मंत्री द्वारा फोन टैपिंग के आरोप लगाना भाजपा की सच्चाई उजागर करता है।

-अशोक गहलोत

सेवा, समर्पण और त्याग की प्रतिमूर्ति रमाबाई अंबेडकर जी की जयंती पर उन्हें कोटिश: नमन। भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर के संघर्षमयी सफर में उनका धैर्य और सहयोग अतुलनीय था। समाज के उत्थान में उनका अप्रत्यक्ष योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

-मदन दिलावर

प्रेरक प्रसंग

सोने की अशरफी और सेवा

एक बार एक सेठ अपने बच्चे को दिखाने के लिए एक नामी वैद्य के पास पहुंचा। बच्चे को देखने के बाद वैद्य ने औषधि की पहली खुराक वहीं पर पीने को दी। कुछ ही मिनटों में लाभ दिखाई देने लगा। सेठ ने वैद्य से पूछा, 'क्या फीस देनी होगी?' वैद्य ने कहा, 'आप सोने की एक अशर्फी दे दीजिए।' यह बात पास बैठा दूसरा मरीज भी सुन रहा था। उसने सोचा, 'इतनी कीमती अशर्फी मैं कैसे दे पाऊं?' और चुपचाप उठकर जाने लगा। वैद्य ने उसे रुकते हुए कहा, 'बेफिक्र रहिए, आपका इलाज तो मुफ्त में होगा। जब आप ठीक हो जाएं, तो आश्रम आकर दूसरों की सेवा कर देना।' यह सुनकर सेठ क्रोधित हो गया और बोला, 'वैद्यजी, आप तो बहुत लालची इंसान हैं! मेरा पैसा देखकर आपको लालच आ गया और मुझसे अशर्फी मांग बैठे, जबकि इसका इलाज आपने मुफ्त में कर दिया!' वैद्य मुस्कुराते हुए बोले, 'नहीं सेठजी, ऐसी बात नहीं है। दरअसल, मेरे आश्रम को चलाने के लिए दो चीजों की आवश्यकता होती है धन और सेवा। जिस व्यक्ति के पास जो चीज होती है, मैं उससे वही मांगता हूं। आपके पास धन है, इसलिए मैंने आपसे धन लिया, और इस व्यक्ति के पास धन नहीं है, इसलिए ठीक होकर यह मेरे आश्रम में अपनी सेवा प्रदान करेगा।'

सामयिक

अवैध प्रवासन को तत्परता से हल करे भारत

डॉ. सत्यवान सौरभ

निर्वासित लोगों के लिए समान उपचार की गारंटी देने के लिए, भारतीय पेशेवरों और छात्रों के लिए अनुकूल वीज़ा नीतियों पर बातचीत करें और कार्यबल गतिशीलता समाधानों पर यू.एस.एस. के साथ सहयोग करें। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने सैन्य विमानों का उपयोग करके अनिर्दिष्ट भारतीय प्रवासियों को निर्वासित करते हुए अपने आव्रजन अभियान को आगे बढ़ाया है। इस क़दम से हजारों भारतीय नागरिक प्रभावित हैं, क्योंकि अमेरिका में अनुमानित 7, 25, 000 अनिर्दिष्ट भारतीय हैं। हालांकि, भारत ने पेशेवरों और छात्रों के लिए वैध प्रवास मार्गों को सुरक्षित रखने के लिए अवैध अप्रवासियों की नागरिकता की पुष्टि के बाद उन्हें वापस भेजने की प्रतिबद्धता जताई है।

अमेरिका द्वारा अवैध अप्रवासी होने के कारण दर्जनों भारतीयों को निर्वासित करना न तो आश्चर्यजनक है और न ही नया। अमेरिका ने संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने वाले लोगों की पहचान करने, उन्हें हिरासत में लेने और निर्वासित करने के लिए, आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन ने अपने कार्यों को तेज कर दिया है, जिसमें निर्वासन भी शामिल है। गुजरात, पंजाब और हरियाणा के भारतीय उन लोगों में से हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश करते हैं। नौकरी की कमी और आर्थिक कठिनाई के कारण, कनाडा और मैक्सिको के माध्यम से अवैध रूप से लोग अमेरिका प्रवेश करते है। भारतीय सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए कानूनी प्रवास मार्ग हों। अमेरिकी आव्रजन नीतियों का भारतीय पेशेवरों और छात्रों पर क्या संभावित प्रभाव हो सकता है? यू.एस. प्रतिबंध भारतीय नागरिकों पर लागू नहीं होते हैं। इन अधिकृत रास्तों में छात्र और कुशल श्रमिक एच-1बी वीजा शामिल हैं। यू.एस. एस और भारत दोनों ही अनधिकृत आव्रजन को हतोत्साहित करने के लिए काम कर रहे हैं, 2024 में निर्वासित भारतीयों की संख्या 2021 में 292 से बढ़कर 2024 में 1, 529 हो गई। संयुक्त राज्य अमेरिका में, लगभग 725, 000 अनिर्दिष्ट भारतीय हैं। ज्यादातर गुजरात और पंजाब से। पिछले साल नवंबर तक, 20, 407 अनिर्दिष्ट भारतीयों को या तो अमेरिकी हिरासत सुविधाओं में हिरासत में लिया गया था या उन्हें अंतिम निष्कासन आदेशों का सामना करना पड़ा था।

निर्वासन का संयुक्त राज्य अमेरिका पर भी प्रभाव पड़ेगा? निर्माण और आतिथ्य जैसे उद्योग जो अप्रवासी श्रम पर निर्भर हैं, उन्हें श्रमिकों की कमी का अनुभव हो सकता है। उदाहरण के लिए, भारतीय मज़दूर यू.एस. आईटी और सेवा क्षेत्रों में पर्याप्त योगदान देते हैं। बड़े पैमाने पर निर्वासन यू.एस. पर दबाव डाल सकता है। हजारों भारतीयों का निर्वासन एक राजनीतिक मुद्दा बन सकता है, विपक्षी दल सरकार पर घर पर पर्याप्त रोजगार के अवसर प्रदान नहीं करने का आरोप लगा सकते हैं। इसका भारत के राजनीतिक परिदृश्य पर निसंदेह प्रभाव पड़ सकता है? बड़े पैमाने पर निर्वासन भारत-अमेरिका सम्बंधों पर दबाव डाल

सकता है, खासकर अगर निर्वासितों को गंभीर व्यवहार का सामना करना पड़ता है, जो राजनयिक कार्यवाही को बढ़ावा देता है। सैन्य विमानों के उपयोग और क्रूर व्यवहार के आरोपों से अमेरिका विरोधी भावना भड़क सकती है, जैसे कि जंजीरों में जकड़ना। गुजरात, पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में राजनीतिक अशांति हो सकती है, जहाँ बड़ी संख्या में निर्वासित हैं। स्थानीय सरकारों पर नौकरी देने और पुनः एकीकरण में सहायता करने का दबाव हो सकता है। अवैध रूप से प्रवास करने की कोशिश करने वालों के लिए, भारत सरकार मानव तस्करी संगठनों और अवैध आव्रजन के खिलाफ सख्त कानून बनाने के लिए मजबूर हो सकती है। अनिर्दिष्ट प्रवासियों के व्यापक प्रत्यावर्तन का परिवार के वित्तीय समर्थन, प्रेषण और भारतीय प्रवासियों के बारे में आम जनता की राय पर प्रभाव पड़ सकता है।

गिरफ़्तारियों में वृद्धि के कारण कई भारतीय अनिर्दिष्ट कर्मचारी सार्वजनिक क्षेत्रों से दूर रहने लगे हैं। कम वेतन वाले उद्योगों में, घरों और रोज़गार के स्थानों पर नज़रबंदी ने अर्थव्यवस्था पर दबाव डाला है। एच-1बी वीज़ा कार्यक्रम को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि प्रायोजन की ज़रूरतें बदल सकती हैं। कई भारतीय छात्र वीज़ा नवीनीकरण के बारे में सख्त नियमों से डरते हैं। वैध प्रवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए, भारत स्थिति पर सावधानीपूर्वक नज़र रख रहा है। अमेरिकी विधायकों के साथ राजनयिक बातचीत का लक्ष्य रोज़गार-आधारित आव्रजन नीतियों को बनाए रखना है। ट्रम्प प्रशासन ने अनिर्दिष्ट प्रवासियों पर अपनी कार्यवाही के तहत निर्वासित लोगों की संख्या में वृद्धि की है। माना जाता है कि 7, 25, 000 भारतीय अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे हैं और 20, 407 अनिर्दिष्ट भारतीयों को निकालने का लक्ष्य बनाया गया है। भारत अनिर्दिष्ट अप्रवासियों को वापस भेजने के लिए सहमत है, बशर्ते उनकी नागरिकता की पुष्टि हो। ट्रम्प ने उन देशों को टैरिफ़ लगाकर अनुपालन करने के लिए मजबूर किया है जो निर्वासित प्रवासियों को लेने से इनकार करते हैं। हालांकि कुशल श्रमिकों के प्रवास के सम्बंध में नीतिगत परिवर्तन अपेक्षित हैं, लेकिन एच-1बी वीजा धारकों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

ऐसे में भारत विशिष्ट आर्थिक सुधार लागू करें, प्रवास की उच्च दर वाले राज्यों (गुजरात, पंजाब और हरियाणा) में रोजगार बढ़ाएँ और अवैध प्रवास को बढ़ावा देने वाले अंतर्निहित मुद्दों जैसे कि बेरोज़गारी और कृषि कठिनाई से निपटें। कुशल प्रवास के लिए सुरक्षित और कानूनी मार्ग बढ़ाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ द्विपक्षीय समझौतों का उपयोग करते हुए अवैध आव्रजन के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान चलाएँ। निर्वासित लोगों के लिए समान उपचार की गारंटी देने के लिए, भारतीय पेशेवरों और छात्रों के लिए अनुकूल वीज़ा नीतियों पर बातचीत करें और कार्यबल गतिशीलता समाधानों पर यू.एस.एस. के साथ सहयोग करें। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने सैन्य विमानों का उपयोग करके अनिर्दिष्ट भारतीय प्रवासियों को निर्वासित करते हुए अपने आव्रजन अभियान को आगे बढ़ाया है। इस क़दम से हजारों भारतीय नागरिक प्रभावित हैं, क्योंकि अमेरिका में अनुमानित 7, 25, 000 अनिर्दिष्ट भारतीय हैं। हालांकि, भारत ने पेशेवरों और छात्रों के लिए वैध प्रवास मार्गों को सुरक्षित रखने के लिए अवैध अप्रवासियों की नागरिकता की पुष्टि के बाद उन्हें वापस भेजने की प्रतिबद्धता जताई है। अमेरिका की अपनी अगली यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्विपक्षीय व्यापार, आव्रजन और कूटनीतिक सहयोग के बारे में उच्च स्तरीय वार्ता करेंगे।

नजरिया

पंजाब में फैलता ईसाई मिशनरियों का जाल !

अशोक भाटिया

मो.: 9221232130

चमत्कार और प्रलोभन के दम पर पंजाब में ईसाइयत का प्रसार लगातार बढ़ता जा रहा है। पटियाला से लेकर पठानकोट तक ईसाई मिशनरियों का साम्राज्य फैल रहा है। केवल दो साल के भीतर ही साढ़े 3 लाख लोगों का धर्मांतरण हुआ है। आज पंजाब बिल्कुल बदला हुआ नजर आ रहा है। भारत में कुल तीन राज्य ऐसे हैं, जो ईसाई बहुल हैं। इनमें नगालैंड में 87।9 पर्सेंट, मिजोरम में 87।2 पर्सेंट और मेघालय में 74।6 पर्सेंट आबादी ईसाई धर्म के लोगों की है। उत्तर पूर्व के बाद गोवा में सबसे ज्यादा 25।1 पर्सेंट, केरल में 18।4 पर्सेंट, तमिलनाडु में 6।1 पर्सेंट और झारखंड में 4।3 पर्सेंट लोग ईसाई धर्म से हैं। ईसाई मिशनरी ईसाई धर्म से जुड़ी उन संस्थाओं और लोगों को कहा जाता है, जो अपने धर्म का प्रचार प्रसार करती हैं। लेकिन सिख धर्म से जुड़े संगठनों का आरोप है कि ये मिशनरी पंजाब के सैकड़ों गांवों में धर्म परिवर्तन के लिए कई तरह के अभियान चला रही हैं। और इसमें अलग-अलग पादरी गांवों में घूम घूमकर लोगों को ये बताते हैं कि कैसे उनके प्रार्थना करने से लोगों की बीमारियां ठीक हो सकती हैं और कैसे ईसाई धर्म लोगों का कल्याण कर सकता है। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स और निजी संस्थाओं द्वारा कराए गए सर्वे बताते हैं कि पंजाब में धर्म परिवर्तन के कारण ईसाई धर्म की आबादी में कई गुना वृद्धि हुई है। बताया जाता है कि ईसाई मिशनरियां भ्रम और अंधविश्वास फैलाकर न केवल भारतीय समाज को तोड़ रही हैं, बल्कि कन्वर्जन कर समाज को लगातार कमजोर करने का प्रयास भी कर रही हैं। पिछले लगभग दो दशकों में पेंटेकोस्टल आंदोलन से प्रेरित कथित करिश्माई ईसाइयत की ऐसी लहर चली कि अब पंजाब का कोई भी जिला इससे अछूता नहीं रह गया है। सभी 23 जिलों में ईसाइयों ने अपनी पैठ बना ली है। विशेषकर, समूचे माझा, दोआबा क्षेत्र, पंजाब के मालवा क्षेत्र में फिरोजपुर और फाजिल्का के सीमावर्ती क्षेत्रों में ईसाई बहुत बड़ी संख्या में हो गए हैं। राज्य में बड़े पैमाने पर चल रहे कन्वर्जन को लेकर सिख और हिंदू समाज आक्रोशित है, जिसकी परिणति अक्सर होने वाले संघर्षों के रूप में देखी जा सकती है।

वैसे पंजाब में कितने चर्च और पादरी हैं, इसका कोई ठोस आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। लेकिन अनुमान है कि यहां पादरियों की संख्या लगभग 65,000 है। इनमें लगभग 5,000 पादरी तो ऐसे हैं, जिन्होंने हाल ही में ईसाइयत कबूल की है। इनमें से अधिकांश आज भी लोगों को बरगलाने के लिए हिंदू-सिख नाम और हिंदू सिख वेश बनाए रखे हुए हैं तथा सिख और हिंदू समाज के लोगों को कन्वर्ट कर रहे हैं। पंजाब में ऐसा कोई गांव, नगर और शहर नहीं है, जहां चर्च न हों। बल्कि घरों में ही चर्च खुल गए हैं, जहां लालच देकर सिखों और हिंदुओं को कन्वर्ट किया जा रहा है। कन्वर्जन की फांस में नौ वंचित समुदायों की बड़ी संख्या है। इनमें रविदासी (मजहबी सिख), वाल्मीकि, सांसी, बावरिया, बाजीगर, राय सिख, बराड़, बंगला, गाधिले और नट शामिल हैं। इसके अलावा, कुछ ब्राह्मण परिवार भी इनके अनुयायी हैं। राज्य में उभरती क्रिश्चियन मिनिस्ट्रीज स्वतंत्र रूप से काम कर रही हैं। हालांकि सूबे में चर्च आफ नॉर्थ इंडिया है, जिसके अंतर्गत उत्तर भारत के अधिकांश प्रोटेस्टेंट चर्च आते हैं। दूसरी ओर जालंधर डायोसिस के अंतर्गत पंजाब के 23 में से 15 जिलों के अलावा हिमाचल प्रदेश के चार जिलों के रोमन कैथोलिक चर्च आते हैं। लेकिन ये मिनिस्ट्रीज इनमें से किसी के साथ संबद्ध नहीं हैं। स्वतंत्र रूप से काम कर रहे इन पादियों को एक छतरी के नीचे लाने के हरप्रीत देओल ने पेंटेकोस्टल चर्च प्रबंधक समिति बनाई, जिससे 1,000 से अधिक स्थानीय पादरी जुड़ चुके हैं।

कहा जा रहा है कि कि पिछले कुछ समय से तथाकथित ईसाई मिशनरी चमत्कारिक इलाज और कपटपूर्ण सिखों का जबरन धर्म परिवर्तन कर रहे हैं। पंजाब के सिखों और हिंदुओं को ईसाई धर्म में धर्मांतरण कराने के लिए उन्हें गुमराह किया जा रहा है और यह सरकार की नाक के नीचे हो रहा है। दरअसल भारत के कानून में धर्म के नाम पर अंधविश्वास फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का प्रावधान है, लेकिन वोट बैंक की राजनीति के कारण कोई भी सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं है।

वहां के लोगों का कहना है कि हम अपने धर्म में भी चमत्कारिक इलाज (पाखंडवाद) के खिलाफ हैं। बाइबल भी ऐसे लोगों की निंदा करती है, लेकिन यहाँ इस तरह के अंधविश्वासों का इस्तेमाल पंजाब के लोगों को लुभाने के लिए किया जा रहा है।ज्ञात हो कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है और यहाँ के गरीब हिंदुओं और सिखों को धर्मांतरित करने के लिए 'विदेशी ताकतें' फंडिंग कर रही हैं। उन्होंने इसे चिंताजनक बताते हुए स्थानीय लोगों का कहना है कि अब इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनके अनुसार धर्मांतरण करने वाले लोग आरक्षण का लाभ भी ले रहे हैं। यह कैसे हो रहा है, यह एक प्रश्न है।

गौरतलब है कि पंजाब जैसे आधुनिक व वैज्ञानिक सोच वाले राज्य में भी अगर धर्म परिवर्तन से जुड़ी खबरें आती रहती हैं तो यह वास्तव में बहुत ही गंभीर मामला है क्योंकि यह भारत का एक मात्र ऐसा राज्य है जहां के लोगों को सिख गुरुओं ने सबसे पहले धार्मिक पाखंडवाद को नकारने का पाठ पढ़ाया और कर्म (कार्य) की शक्ति में विश्वास रखने का उपदेश दिया। यहां के लोगों की उदात्त संस्कृति ने मानवीयता को मजहब की चारदीवारी के घेरे में कैद करने से इनकार किया जिसमें सिख गुरुओं का ही सबसे बड़ा योगदान रहा क्योंकि उन्होंने 'मानस की जात' को एक ही रूप मे पहचाना। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोविन्द सिंह महाराज तक सभी दस गुरुओं ने अन्याय के समक्ष कभी भी सिर न झुकाने को मानव धर्म बताया और सत्य व हक की राह में बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने के लिए प्रेरित किया। दीन-हीन की सेवा को मानव कर्त्तव्य बताया और कर्म या मेहनत करने को ईमान बताया। सिख गुरुओं ने सबसे बड़ा उपदेश यह दिया कि किसी दैवीय चमत्कार पर भरोसा करने के बजाय मनुष्य अपनी मेहनत और लगन पर यकीन रख कर ही अपने जीवन में चमत्कार कर सकता है। इसका प्रमाण आज हम स्वयं केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में देख सकते हैं क्योंकि जिस प्रान्त या देश में भी पंजाबी हैं वे अपनी मेहनत व कार्यक्षमता के बूते पर ही आगे बढे हैं ।

ऐसे समाज में यदि किसी विशेष मजहब के प्रचारक यहां के सिख व हिन्दुओं को दैवीय चमत्कारों के जाल में फंसा कर उनका धर्म परिवर्तन कराते हैं तो इसका संज्ञान लिये बिना नहीं रहा जा सकता। पिछले कुछ वर्षों से पंजाब में ईसाई मिशनरी यहां के सिख व हिन्दू युवकों विशेष रूप से पिछड़े वर्ग के समाज में अपने धार्मिक दैवीय चमत्कारों के नाम पर इसाई बनाने का अभियान चलाये हुए हैं। यह अभियान पंजाब के सरहदी जिलों में विशेष तौर पर चलाया जा रहा है।

ये ईसाई मिशनरी धार्मिक पाखंड फैला कर इन लोगों को सम्मोहित करने का प्रयास करते हैं और फिर उनकी धार्मिक पहचान को अनावश्यक बता कर केश त्यागने को कहते हैं तथा ईसाई बनने के लिए प्रेरित करते हैं। इस बारे में पिछले वर्ष भी सिख समुदाय के कई जत्थेदारों ने ध्यान खींचने की कोशिश की थी। परन्तु तत्कालीन सरकार ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया था। परन्तु इस बार वहां के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट रूप से सरकार से मांग की है कि धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने के लिए एक कानून लाया जाये जिससे राज्य में पाखंडवाद और अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाली ईसाई मिशनरियों की गतिविधियों पर लगाम लग सके। वैसे स्वयं में यह कम आश्चर्य का विषय नहीं है कि पंजाब जैसे राज्य के लोग भी अंधविश्वास का शिकार हो सकते हैं परन्तु भौतिक लालच और रातोंरात परिस्थितियों के बदलने के मोह में व्यक्ति ऐसे चक्करों में फंस भी सकता है, जिसका लाभ ईसाई मिशनरियां संभवतः उठा रही हैं। वरना कोई वजह नहीं थी कि वहां के जागरूक लोगों को स्वयं ही इस बुराई को खत्म करने की कमान संभालने की कार्रवाई करनी पड़ती।

यदि गौर से देखा जाये तो सिख गुरुओं ने ही हिन्दू धर्म में फैले पाखंडवाद को समाप्त करने का बीड़ा उठाया था और मनुष्य को अपने ऊपर भरोसा करने का सन्देश दिया था। आज भी सिख संगतों में हमें ये उपदेश सुनने को मिलते हैं। जात- पांत के विरुद्ध भी सिख गुरुओं ने व्यापक अभियान चलाया और हर इंसान को एक समान समझने का व्यावहारिक गुर भी सिखाया। गुरुद्वारों में अनवरत लंगर चलना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है जिसमें हर दीन व मजहब के आदमी की सेवा खुली रहती है। परन्तु आश्चर्य की बात यह है कि पंजाब में जो पिछड़े या दलित वर्ग के लोग ईसाई धर्म में परिवर्तित होते हैं उन्हें ईसाई बनने के बावजूद आरक्षण की सुविधाएं मिलती रहती हैं जबकि आरक्षण की सुविधा केवल हिन्दू व सिख धर्म के दलितों को ही मिल सकती है। वैसे देखा जाये तो अंधविश्वास बढ़ाने के खिलाफ भी देश में बाकायदा कानून है मगर इसका उपयोग करने से विभिन्न राज्य सरकारें इसलिए घबराती हैं कि इसमे वोट बैंक का मसला आकर फंस जाता है।

खुद को चमत्कारिक बताने वाले लोग हर मजहब में आसन जमा कर बैठे हैं। केवल सिख धर्म ही ऐसा है जिसमें ऐसी कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि इसके सन्त व धार्मिक उपदेशक गुरुओं के बताये मार्ग पर चलने के उपदेश देते हैं और उस 'गुरु ग्रन्थ साहब' को अपना प्रेरक मानते हैं जिसमें दलित व पिछड़े वर्ग के सन्तों की वाणियां भी संग्रहित हैं। इनमे अंधविश्वास व पोंगापंथी व पाखंडवाद पर करारा प्रहार होता है। अतः सवाल पाखंडवाद को समाप्त करने भी है जिसे फैला कर ईसाई मिशनरियां पंजाब का सामाजिक सौहार्द्र खराब करना चाहती है। दूसरा सवाल राष्ट्रीय सुरक्षा का भी है क्योंकि इस राज्य की सीमाएं पाकिस्तान से छूती हैं। भारत में धर्म परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रभाव राष्ट्रीय नजरिये पर पड़ता है। धर्म परिवर्तित होते ही व्यक्ति की निष्ठाएं भारत की पुण्य भूमि से किसी दूसरी भूमि की तरफ घूमने लगती हैं। यह व्यावहारिक वास्तविकता है। ज्ञात हो कि भारतीय संविधान के (अनुच्छेद 25-28) अनुसार कोई व्यक्ति अपनी पसंद से कोई भी धर्म चुन सकता है, और उसका प्रचार-प्रसार कर सकता है। लेकिन किसी व्यक्ति का धर्म जबरन या लालच देकर नहीं कराया जा सकता। भारतीय दंड संहिता की धारा 295-ए और 298 के अनुसार यह एक दंडनीय अपराध है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कानून बने हैं। अतः ज्ञानी जी की मांग पर धर्म परिवर्तन निषेध कानून पंजाब में लाया जाना चाहिए और विदेशी फंडिंग से धर्म परिवर्तन करवाने वाले लोगों को सबक सिखाना चाहिए ।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने ट्रंप प्रशासन के प्रतिबंधों की आलोचना की

हेग/एपी

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने शुक्रवार को अपने सदस्य देशों से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के खिलाफ खड़े होने का आह्वान करते हुए कहा कि यह कदम उसके स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायिक कार्य को नुकसान पहुंचाने का प्रयास है। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने प्रतिबंधों के संबंध में बृहस्पतिवार को कार्यकारी आदेश जारी किया। अमेरिका का कहना है कि उसे और उसके करीबी सहयोगी इजराइल को निशाना बनाने वाली अवैध और निराधार कार्रवाइयों के कारण उसने यह कदम उठाया है।

इस आदेश में पिछले साल गाजा में कथित युद्ध अपराधों के लिए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट का संदर्भ दिया गया। हेग स्थित न्यायालय ने कहा कि वह इस कदम की ''निंदा'' करता है। न्यायालय ने एक बयान में कहा, ''न्यायालय अपने कर्मियों के साथ मजबूती से खड़ा है और दुनिया भर में अत्याचारों के लाखों निर्दोष पीड़ितों को न्याय और उम्मीद प्रदान करना जारी रखने का संकल्प लेता है।''

बयान में कहा गया, ''हम अपने 125 सदस्य देशों, नागरिक समाज और दुनिया के सभी देशों से न्याय और मौलिक मानवाधिकारों के लिए एकजुट होने का आह्वान करते हैं।''

आदेश में कहा गया है कि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की कार्रवाई के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ ठोस कदम उठाएगा। कार्रवाई में संपत्ति पर रोक और आईसीसी के अधिकारियों, कर्मचारियों और रिश्तेदारों को अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देना शामिल हो सकता है। कोषागार और विदेश विभाग यह निर्धारित करेंगे कि किन लोगों और संगठनों पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। मानवाधिकार समूहों ने भी अमेरिका के इस निर्णय की आलोचना की है। 'ह्यूमन राइट्स वॉच' की अंतरराष्ट्रीय न्याय निदेशक लिज इवेनसन ने एक बयान में कहा, ''अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के अधिकारियों के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंध दुनिया भर में सामूहिक अत्याचारों के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए एक उपहार होगा। प्रतिबंध मानवाधिकार उल्लंघनकर्ताओं के लिए हैं, न कि उन लोगों के लिए जो अधिकारों का हनन करने वालों को जवाबदेह ठहराने का काम कर रहे हैं।'' इवेनसन ने कहा, ''ट्रंप का कार्यकारी आदेश रूस की कार्यप्रणाली के समान है, जिसने न्यायाधीशों और अभियोजक के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के माध्यम से अदालत के काम में बाधा डालने की कोशिश की है।'' न्यायालय के अधिकारी महीनों से प्रतिबंधों से निपटने की तैयारी कर रहे थे। जनवरी में, न्यायालय ने कर्मचारियों को उनके तीन महीने के वेतन का अग्रिम भुगतान किया था। वहीं, प्रतिबंधों से बचने के प्रयास में ट्रंप के निर्वाचित होने के बाद से न्यायालय के कम से कम दो वरिष्ठ कर्मचारियों ने इस्तीफा दे दिया।

पुलिस सेवा

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव शुक्रवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) समागम 2025 के उद्घाटन के दौरान ।

शिरकत

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अन्य शुक्रवार को मुंबई में एडवांटेज विदर्भ 2025 के दूसरे संस्करण में शामिल हुए।

बांग्लादेश में अवामी लीग के नेताओं के घरों पर हमले, तोड़फोड़ और आगजनी

ढाका/भाषा

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं के घरों पर हमले करने के साथ आगजनी की और 24 से अधिक जिलों में देश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के भित्ति चित्रों को नष्ट कर दिया गया। मीडिया में आईं खबरों से यह जानकारी मिली। यह अशांति बुधवार रात हसीना के ऑनलाइन संबोधन से शुरू हुई, जब प्रदर्शनकारियों ने शेख मुजीब के घर को निशाना बनाया।

शुक्रवार को ढाका के बनानी में अवामी लीग के नेता शेख सलीम के घर में आग लगा दी गई। सलीम के घर पर बृहस्पतिवार देर रात करीब डेढ़ बजे आग लगाई गई थी।

यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश (यूएनबी) ने अग्निशमन सेवा नियंत्रण कक्ष के अधिकारी के हवाले से बताया कि सुरक्षा कारणों से अग्निशमन सेवा के वाहन रात पौने तीन बजे तक घटनास्थल पर नहीं पहुंच सके। 'डेली स्टार' ने शुक्रवार को बताया कि शेख मुजीब के धानमंडी-32 में स्थित आवास को आग लगाने और ढहा दिए जाने के एक दिन बाद प्रदर्शनकारियों ने नोआखली के कम्पनीगंज में अवामी लीग (एएल) के महासचिव और पूर्व सड़क, परिवहन एवं पुल मंत्री ओबैदुल कादर के घर पर हमला कर तोड़फोड़ की और आग लगा दी।

दोपहर करीब एक बजे बोरा राजापुर मोहल्ले में स्थित घर पर हुए हमले के दौरान, कादर के छोटे भाई तथा कम्पनीगंज के अवामी लीग के अध्यक्ष अब्दुल कादर मिर्जा और बसुरहाट नगरपालिका के पूर्व महापौर शहादत मिर्जा के दो मंजिला भवन तथा टिन की छत वाले कमरों में भी तोड़फोड़ की गई।

घर के सामने खड़ी एक कार भी आग के हवाले कर दी गई। उस समय घर पर कोई नहीं था।

यूएनबी की खबर के अनुसार, राजशाही में प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने बाघा उपजिला के चकसिंगा मोहल्ला में पूर्व विदेश राज्य मंत्री शहरयार आलम के तीन मंजिला मकान में आग लगा दी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाघा और चारघाट उपजिलों से 100 से अधिक लोग मोटरसाइकिलों पर वहां पहुंचे और दोपहर के समय घर में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने कल पबना के शालगरिया गांव में अवामी लीग के नेता अबू सईद के घर पर भी हमला किया और उसे आग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने बृहस्पतिवार को गेट तोड़कर घर में तोड़फोड़ की और फिर शाम को उसमें आग लगा दी। बृहस्पतिवार को कमिला में प्रदर्शनकारियों ने शहर में शेख मुजीब के दो भित्तिचित्रों को नष्ट कर दिया।

वे शाम चार बजे के आसपास कमिला अदालत परिसर में बुलडोजर लेकर गए और एक अदालत की इमारत के सामने एक भित्तिचित्र को नष्ट कर दिया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए, 'स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन' की कमिला शहर इकाई के सचिव रशीदुल हक ने कहा, ''हम फासीवाद की सभी निशानियों को मिटा देंगे।''

बाद में, कमिला सिटी पार्क में शेख मुजीब के एक और भित्तिचित्र वाले आधार को बुलडोजर से गिरा दिया गया। नारायणगंज में, बीएनपी समर्थक वकीलों ने नारायणगंज अदालत परिसर और शहर में उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक के कार्यालयों में शेख मुजीब के भित्तिचित्र वाले आधार और एक प्रतिमा को ध्वस्त कर दिया।

मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने कहा कि देश भर में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाओं का दृढ़ता से विरोध किया जाएगा।

अंतरिम सरकार ने एक बयान में कहा, अंतरिम सरकार इस बात को लेकर काफी चिंतित है कि कुछ व्यक्ति और समूह देश भर में विभिन्न संस्थानों और प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ और आगजनी का प्रयास कर रहे हैं।

हथकड़ी लगाकर अवैध प्रवासियों को वापस भेजने पर भारत ने कहा, इससे बचा जा सकता था

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को कहा कि उसने हथकड़ी लगाकर अवैध प्रवासियों को वापस भेजे जाने के मुद्दे पर अमेरिका के समक्ष चिंता व्यक्त की है। इसने यह भी कहा कि इस तरह के व्यवहार से बचा जा सकता था। विदेश सचिव विक्रम मिस्री की यह टिप्पणी अमेरिका द्वारा अवैध भारतीय प्रवासियों को सैन्य विमान में 40 घंटे की उड़ान के दौरान हथकड़ी लगाकर वापस भेजे जाने पर मचे बवाल के बीच आई है।

मिस्री ने प्रवासियों को भेजे जाने से संबंधित प्रश्नों पर कहा, ''हमने अपनी चिंताओं से अमेरिका को अवगत कराया है कि इस प्रकार के व्यवहार से बचा जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका से भेजे जाने के लिए 487 भारतीय नागरिकों को चिह्नित कर लिया गया है और 298 लोगों का विवरण भारत के साथ साझा किया गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों द्वारा साझा की गई जानकारी का सत्यापन किया जा रहा है।

विदेश सचिव ने कहा कि हथकड़ी लगाकर अवैध प्रवासियों को वापस भेजने की अमेरिकी नीति 2012 से ही लागू है। विदेश सचिव से जब पूछा गया कि क्या भारत ने 2012 में हथकड़ी लगाकर अवैध प्रवासियों को वापस भेजने पर अपना विरोध दर्ज कराया था, तो उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि कोई विरोध जताया गया था। हमारे पास आपत्ति के संबंध में कोई रिकॉर्ड नहीं है।'' मिस्री ने विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा बृहस्पतिवार को संसद में दिए गए बयान का हवाला दिया। उन्होंने कहा, ''विदेश मंत्री ने मानक संचालन प्रक्रिया से अवगत कराया जैसा कि अमेरिकी अधिकारियों ने आव्रजन और सीमा शुल्क नियमन पर सूचित किया था।'' उन्होंने कहा कि मंत्री ने इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाया किया कि ऐसी प्रक्रिया 2012 से ही प्रचलन में है।

'गुम है किसी के प्यार में' गाना मेरे दिल के बहुत करीब : रेखा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री रेखा का कहना है कि गाना गुम है किसी के प्यार में उनके दिल के बहुत करीब है। स्टार प्लस के शो 'गुम है किसी के प्यार में' एक नए रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां इमोशनल ड्रामा, जबरदस्त ट्विस्ट और गहरी भावनाओं की झलक देखने को मिलेगी। हाल ही में रिलीज़ हुए प्रोमो ने दर्शकों में जबरदस्त उत्सुकता जगा दी है, और इस बार सबसे बड़ी खासियत हैं लीजेंडरी अभिनेत्री रेखा। रेखा की भावनाओं से भरी आवाज़ इस कहानी को और भी खास बना देती है, जो तेजस्विनी के जज़्बातों के उतार-चढ़ाव को बखूबी दर्शाती है। नील के साथ बेमेल शादी की उलझन और अपने पहले प्यार रुतुराज की वापसी के बीच फंसी

तेजस्विनी की कहानी दर्शकों को गहराई तक छू जाएगी। रेखा की आवाज़ इस सफर को और भी भावुक और यादगार बना रही है, जो शो को एक अलग ही लेवल पर ले जाती है। शो में नई कास्ट की एंट्री हुई है, जिसमें वैभवी हंकारे (तेजस्विनी), सनम जौहर (रुतुराज) और परम सिंह (नील) शामिल हैं। रेखा की बेमिसाल ग्रेस और उनकी भावनाओं से भरी आवाज़ ने प्रोमो को और भी खास बना दिया है, जिससे कहानी को एक अलग ही गहराई मिल रही है। रेखा ने कहा, गुम है किसी के प्यार में हमेशा से मेरे दिल के करीब रहा है।

जैसे-जैसे इसका नया सीजन सामने आ रहा है, मैं एक ऐसी कहानी का इंतज़ार कर रही हूं जो इंसानी जज़्बातों, प्यार, कर्तव्य, परिवार और जूनून जैसे पहलुओं को गहराई से टटोलती है। इसके टाइटल सॉन्ग 'गुम है किसी के प्यार में' का मेरे दिल में खास स्थान है, यह मुझे शांति देता है। इस शो के साथ मेरा यह जुड़ाव गर्मजोशी और सम्मान से भरा रहा है, और मैं आगे भी दर्शकों के लिए यादगार लम्हे बनाने को लेकर उत्साहित हूं।

मुलाकात

अठारहवीं लोकसभा के बजट सत्र के दौरान संसद भवन में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और अन्य सांसद शुक्रवार को मुलाकात करते हुए।

फिल्म 'हेरा फेरी-3' में हुई अभिनेत्री तब्बू की एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'हेरा फेरी-3' में अक्षय कुमार, परेश रावल, सुनील शेट्टी की तिकड़ी लोगों को मनोरंजन करने के लिए आ रही है। इस फिल्म 'हेरा फेरी-3' की आधिकारिक घोषणा कुछ महीने पहले की गई थी। फिल्म की शूटिंग इस समय चल रही है। इस फिल्म में अभिनेत्री तब्बू की एंट्री की अटकलें लग रही हैं। इस फिल्म के लिए तब्बू की चर्चा एक पोस्ट को लेकर हो रही।

तब्बू ने फिल्म 'हेरा फेरी' के पहले भाग में अनुराधा की भूमिका निभाई थी। उनकी यह भूमिका आज भी कई लोगों को याद है। कयास लगाए जा रहे हैं कि तब्बू फिल्म 'हेरा फेरी-3' में नजर आएंगी। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की एक फोटो शेयर करते हुए कैप्शन दिया, हेरा फेरी 3 मेरे बिना अधूरी है। तब्बू ने इस पोस्ट को प्रियदर्शन को टैग किया। अगर तब्बू 'हेरा फेरी-3' में नजर आती हैं तो यह और भी मजेदार होगा।

फिल्म 'हेरा फेरी-3' में एक बार फिर राजू, श्याम और बाबूभाई का किरदार निभा रहे क्रमश: अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा अभी यह पता नहीं चल पाया है कि इन तीनों कलाकारों के साथ और कौन नजर आएगा। अगर तब्बू भी इन तीनों के साथ होंगी तो यह मजेदार होगा।

पहले 'हेरा फेरी-3' का निर्देशन फरहाद सामजी करने वाले थे, लेकिन अब कॉमेडी फिल्मों के निर्देशन में माहिर प्रियदर्शन 'हेरा-फेरी 3' के निर्देशन की कमान संभालेंगे।

'ऊप्स! अब क्या?' का ट्रेलर रिलीज किया

मुंबई/एजेन्सी

डिज्नी+ हॉटस्टार ने प्रेम मिस्त्री और देबात्मा मंडल निर्देशित और डाइस मीडिया निर्मित सीरीज ऊप्स अब क्या? का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ऊप्स अब क्या? एक युवा महिला के उतार-चढ़ाव भरे जीवन का अनुसरण करती है, जिसकी पूरी तरह से योजनाबद्ध दुनिया एक आकस्मिक कृत्रिम गर्भाधान के बाद हास्य पागलपन में बदल जाती है। यह सीरीज़ सिर्फ़ कॉमेडी का तड़का नहीं है, बल्कि तीन पीढ़ियों की महिलाओं की दिल को छू लेने वाली कहानी है, जो परंपरा, आधुनिकता और प्यार के बीच सबसे अप्रत्याशित परिस्थितियों में आगे बढ़ती हैं। इस सीरीज में श्वेता बसु प्रसाद, आशिम गुलाटी, जावेद जाफ़री, सोनाली कुलकर्णी, अपारा मेहता, अभय महाजन और एमी ऐला की अहम भूमिका है।

ट्रेलर में तीन पीढ़ियों की महिलाओं के बीच होने वाले मज़ेदार और दिल को छू लेने वाले नाटक की झलक मिलती है, जिसमें वे प्यार, परंपरा और आधुनिकता के बीच तालमेल बिठाती हैं। साथ ही पागलपन का एक पहलू भी। श्वेता बसु प्रसाद ने कहा, जिस क्षण मैंने ऊप्स! अब क्या? की स्क्रिप्ट पढ़ी, मुझे पता था कि यह एक पागलपन भरा सफ़र

होने वाला है। मेरे किरदार की ज़िंदगी कुछ ही सेकंड में पूरी तरह से व्यवस्थित से पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो जाती है, और यह सब बहुत ही हास्य और दिल से दिखाया गया है। यह प्यार, हसी और पागलपन के बीच खुद को खोजने की कहानी है। मुझे पता है कि दर्शकों को इसे देखने में और भी मज़ा आएगा।

जावेद जाफ़री ने कहा, मुझे ऊप्स! अब क्या? में जो बात पसंद आई, वह यह है कि यह जीवन की बेतुकी बातों से दूर नहीं है। ट्रेलर दिखाता है कि जीवन कितना अप्रत्याशित और मज़ेदार हो सकता है।यह एक ऐसी कहानी है जो परिवार, प्यार और रिश्तों के साथ-साथ हंसी के बारे में भी है। यह काफी धमाकेदार होने वाली है। सोनाली कुलकर्णी ने कहा, जब जीवन आपको अप्रत्याशित परिस्थितियों से रूबरू कराता है, तो कभी-कभी केवल हंसना ही एकमात्र काम होता है, और ऊप्स! अब क्या? बिल्कुल इसी बारे में है! अपनी बेटी की पागलपन भरी यात्रा का समर्थन करते हुए अपनी चुनौतियों से जूझने वाली आधुनिक माँ की भूमिका निभाना एक अविश्वसनीय अनुभव था।

अभय महाजन ने कहा, कल्पना कीजिए कि आप एक ऐसी कहानी में पागलों की तरह प्यार में हैं, जिसमें कुछ भी योजना के अनुसार नहीं होता। ऊप्स! अब क्या? में मेरा किरदार यही है, और मुझे इसका हर पल बेहद पसंद आया। मेरा विश्वास करें, पूरा शो आपको हंसाएगा और इन किरदारों के लिए उत्साहित करेगा। सीरीज ऊप्स अब क्या?, 20 फरवरी को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 08-02-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आधुनिक समाज को अधर्म और विज्ञान पर बहुत विश्वास है, पर धर्म पर गहरी श्रद्धा नहीं है। धर्म के नाम पर होते विवाद भी अधर्म का ही रूप है। धर्म तो विवाद नहीं संवाद सिखाता है। मारना नहीं बचाना सिखाता है। धर्म द्वेष और वैमनस्य नहीं, प्रेम व सद्भावना की शिक्षा देता है। यह मात्र उपदेश नहीं, आत्म विश्लेषण और संवेदना का विषय है। बुद्धि से धर्म नहीं होता, श्रद्धा-भक्ति से ही धर्म हो सकता है। शक्ति, संपत्ति या सत्ता से हम धार्मिक नहीं हो सकते, बल्कि सेवा, सरलता, सामंजस्य, सहअस्तित्व की भावना से धर्म साधक बन सकते हैं।

हिंदुस्तान इंटरनेशनल स्कूल में राइफल क्लब का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के पादुर स्थित हिंदुस्तान इंटरनेशनल स्कूल में अत्याधुनिक राइफल क्लब का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में हिंदुस्तान ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के चेयरमैन आनंद जैकब वर्गीस तथा मुख्य अतिथि तमिलनाडु के सेवानिवृत पुलिस महानिदेशक आईपीएस डॉक्टर सी. शैलेन्द्र बाबू उपस्थित थे। नवनिर्मित राइफल क्लब का उद्देश्य छात्रों के बीच अनुशासन तथा खेल भावनाओं को बढ़ावा देने के साथ ही विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण में अपने कौशल को विकसित करने का अवसर देना है। क्लब में उन्नत शूटिंग रेंज एवं उपकरण है जो सुरक्षा के उच्चतम मानकों के अनुरूप बनाए गए हैं। राइफल शूटिंग का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में प्रदान किया जाएगा। मुख्य अतिथि आईपीएस डॉक्टर सी.शैलेंद्र बाबू ने इस अवसर पर कहा की अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण खेलों के द्वारा ही संभव है खेलों के द्वारा ही हम कौशल, अनुशासन, टीमवर्क लचीलापन आदि अनेक गुण विकसित कर सकते हैं। आनंद जैकब वर्गीस ने कहा कि 21वीं सदी में सफल होने के लिए हम अपने विद्यार्थियों को समग्र शिक्षा प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उद्घाटन समारोह में छात्र शिक्षक एवं स्कूल के कई अधिकारी मौजूद रहे।

जांगिड़ ब्राह्मण समाज द्वारा विश्कर्मा जन्मोत्सव 10 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के माधावरम स्थित जांगिड़ ब्राह्मण समाज द्वारा 10 फरवरी को श्री विश्वकर्मा जन्मोत्सव मनाने की तैयारी की जा रही है। कोषाध्यक्ष हीरालाल जोहड़ ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा का चालीसवां जन्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। रविवार से आरंभ

कार्यक्रम के प्रथम दिन कलश स्थापना की जाएगी, तत्पश्चात रात्रि में भक्ति जागरण का आयोजन होगा। भक्ति जागरण हेतु बालोतरा से ओमप्रकाश सुथार और पार्टी को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम के अगले दिन महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा । कार्यक्रम की तैयारियों में अध्यक्ष कन्हैयालाल मांकड़, महेंद्र बुढ़ल, हमीराराम कुलरिया तथा राजेश जांगिड़ सहित अनेक पदाधिकारीगण लगे हुए है।

एमआरएफ लिमिटेड द्वारा आलेखापरीक्षित परिणाम जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। देश की प्रसिद्ध टायर निर्माता कंपनी एमआरएफ लिमिटेड द्वारा 6 फरवरी को बोर्ड के सदस्यों की बैठक के उपरांत आलेखापरीक्षित परिणाम जारी किए गए जिसके अनुसार कंपनी की कुल आय 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही आंकड़ों के अनुसार 13.767 बढ़कर 7098 करोड रुपए हो गई है जबकि 2023 के इसी तिमाही में कंपनी की कुल आय 6240 करोड रुपए थी। इस तिमाही से पहले कंपनी को कर भुगतान से पूर्व कुल लाभ 424.18 करोड रुपए का हुआ जबकि दिसंबर 2023 के इसी तिमाही में कंपनी की कुल समेकित आए 682.41 करोड रुपए की थी अर्थात कंपनी को 2024 के दिसंबर के तिमाही आंकड़ों के अनुसार कुल लाभ में कमी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ साथ अन्य वाहन श्रेणियों हेतु एक प्रमुख टायर आपूर्तिकर्ता कंपनी बनी हुई है। आलेखित परिणामों के अनुसार निदेशक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025 के लिए रुपए 10 प्रति शेयर पर 3 रुपए का लाभांश देने की घोषणा की है।

एप्सिलॉन इंडिया द्वारा आवासीय ग्रीष्मकालीन शिविर 29 अप्रैल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गणित विषय में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों हेतु एप्सिलॉन इंडिया 9 से 13 वर्ष आयु के विद्यार्थियों हेतु मनोरंजन से भरपूर ग्रीष्मकालीन आवासीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। राइजिंग ए मैथमेटिशियन तथा एप्सिलॉन इंडिया ग्रीष्मकालीन आवासीय शिविरों के माध्यम से गणित विषय को छात्रों के लिए रुचिकर बनाते हुए उन्नत गणित शिक्षा प्रदान करते हैं।

एप्सिलॉन इंडिया के संस्थापक गणितज्ञ डॉक्टर जॉर्ज आर थॉमस द्वारा इस प्रकार के शिविरों का आयोजन किया जाता है।

इस वर्ष शिविर का आयोजन सिटी स्थित आर्ट एंड साइंस कॉलेज क्रेया यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है जिसमें छात्रों को रहने हेतु आवास की सुविधा क्रेया यूनिवर्सिटी द्वारा प्रायोजित किया गया है। शिविर का आयोजन 29 अप्रैल से 12 मई तक होगा। विद्यार्थियों को मुख्य रूप से शिक्षा जगत और उद्योग जगत के पेशेवर गणितज्ञ, वैज्ञानिक, कंप्यूटर वैज्ञानिक और सांख्यिकीविद पढ़ाएंगे।

सेवा, सरलता, सामंजस्य की भावना से धर्म साधक बनना संभव : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भद्रावती। शुक्रवार को स्थानीय श्री पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के पार्श्व भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वजी ने कहा कि आधुनिक समाज को अधर्म और विज्ञान पर बहुत विश्वास है, पर धर्म पर गहरी श्रद्धा नहीं है। धर्म के नाम पर होते विवाद भी अधर्म का ही रूप है। धर्म तो विवाद नहीं संवाद सिखाता है। मारना नहीं बचाना सिखाता है। धर्म द्वेष और वैमनस्य नहीं, प्रेम व सद्भावना की शिक्षा देता है। यह मात्र उपदेश नहीं, आत्म विश्लेषण और संवेदना का विषय है। बुद्धि से धर्म नहीं होता, श्रद्धा-भक्ति से ही धर्म हो सकता है। शक्ति, संपत्ति या सत्ता से हम धार्मिक नहीं हो सकते, बल्कि सेवा, सरलता, सामंजस्य, सहअस्तित्व की भावना से धर्म साधक बन सकते हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धर्मतत्व पृथ्वी पर मानवजाति को मिला हुआ अमूल्य वरदान है। इसे संप्रदायों की संकीर्ण व्यवस्थाओं से ऊपर उठकर प्राणिमात्र के कल्याण के रूप में देखा जाना चाहिये। संप्रदायों के स्वरूप, उनकी व्यवस्थाएं, मान्यताएं और नीति-रीति भिन्न-भिन्न हो सकती हैं, लेकिन धर्मतत्व का स्वरूप तो सदैव एक जैसा निर्मल सर्वकल्याणकारी ही होता है। एक बार धर्मतत्व की विस्तृत व्याख्या को समझने का प्रयास करना चाहिए। जो पतन के मार्ग से हमें बचाएं और प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाएं, उसे शास्त्रों ने धर्म कहा है। जो सदाचार, संयमित जीवन, दया, दान, साधना, मैत्रीभावना, अहिंसा, करुणा, नैतिकता आदि की शिक्षा-दीक्षा दें, उसे धर्म कहा गया है। जो किसी का बुरा न करें और सबकी भलाई की कामना करें, वह धर्म है। मानों कि धर्मतत्व है तो पृथ्वी टिकी है। धर्म के बिना जीवन व्यर्थ है। दुनिया की कोई भी उपलब्धि धर्मतत्व की बराबरी नहीं कर सकती, इसलिए धर्म की रक्षा, वह स्वयं की रक्षा है। जो धर्म की रक्षा करता है, प्रकारांतर वह अपनी ही रक्षा कर रहा है। इससे पूर्व हल्लीकेरे से पदयात्रा करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी आदि सात श्रमणजन गांधी सर्कल पहुंचे, जहां कलश, श्रीफल और स्वस्तिक से समाज के श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत किया। फिर पार्श्वनाथ जिनालय में सामूहिक चैत्यवंदना हुई। संघ के अध्यक्ष रतनचंद जैन और दिनेश जैन ने बताया कि शनिवार को विविध मंत्रों, मुद्राओं और जड़ीबूटियों से एक सौ आठ पार्श्वनाथ का संगीतमय विशिष्ट अनुष्ठान होगा। प्रभु पार्श्वनाथ के एक सौ आठ प्राचीन तीर्थों के इतिहास की रोचक प्रस्तुति होगी। रात्रिकालीन ज्ञानसत्र में गणि पद्मविमलसागरजी तत्वों की विवेचना करेंगे।

बेंगलूरु में 12 फरवरी से सजेगा प्राकृतिक पत्थरों का मेला 'स्टोना 2025'

16वें स्टोना प्रदर्शनी में प्रतिभागियों ने दिखाया सकारात्मक रेस्पांस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फेडरेशन ऑफ इंडियन ग्रेनाइट एंड स्टोन इंडस्ट्री (फिग्सी) के तत्वावधान में इस वर्ष 12 से लेकर 15 फरवरी तक चार दिवसीय प्राकृतिक पत्थरों की प्रदर्शनी 'स्टोना 2025' का आयोजन शहर के तुमकूर रोड स्थित बेंगलूरु इन्टरनेशनल एक्जीबिशन सेन्टर में किया जा रहा है। इस आयोजन के प्रचार प्रसार के लिए फेडरेशन के पदाधिकारियों ने एक पत्रकार वार्ता आयोजित की जिसमें स्टोना 2025 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

सरकार के सकारात्मक रवैया से आएगा पत्थर बाजार में बदलाव : एस. कृष्णप्रसाद

पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हए फेडरेशन ऑफ इंडियन ग्रेनाइट एंड स्टोन इंडस्ट्री (फिग्सी) के अध्यक्ष एस कृष्णाप्रसाद ने बताया कि 41 वर्ष से फेडरेशन उद्योग, उद्योगपतियों व केन्द्र व विभिन्न राज्य सरकारों के बीच सामंजस्य सेतू का कार्य करता आ रहा है। आज पूरे देश में फेडरेशन के 1490 से अधिक सदस्य है। उन्होंने बताया कि फिग्सी समय-समय पर विभिन्न सरकारों के साथ पत्थर उद्योग के हित में सामंजस्य बनाने के उदेदश्य से आवश्यक बैठकें करती रहती है। भारत सरकार से भी 'फिग्सी' लम्बे समय से ग्रेनाइट विकास कौंसिल में फिग्सी की भागीदारी व प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की मांग कर रहा है। प्रसाद ने बताया कि आज प्राकृतिक पत्थर उद्योग कच्चे माल की कमी, विनियामक बाधाओं और कृत्रिम सामग्रियों से अनुचित प्रतिस्पर्धा से जूझ रहा है। वर्तमान काल में उद्योग के अच्छे प्रदर्शन और वितरण के लिए अनुकूल माहौल की आवश्यकता है। इसके लिए पत्थर उद्योग की ओर सरकार को गंभीर ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि सामने आने वाली समस्याओं का समाधान किया जा सके और साथ ही समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए दुनिया भर में सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू किया जा सके। कृष्ण प्रसाद ने कहा कि फेडरेशन पत्थर उद्योग में प्रमुख नीतिगत परिवर्तनों की वकालत कर रहा है, जिसमें गारंटीकृत नवीनीकरण के साथ 50 साल के लिए खदान पट्टे देना, रॉयल्टी दरों को तर्कसंगत व समान बनाना और कच्चे ब्लॉक और स्लैब पर जीएसटी कम करना शामिल है। अध्यक्ष ने बताया कि भारत भूगोलिक दृष्टि से बहुत फैला हुआ है और विभिन्न खनिज अलग अलग राज्य में मिलते हैं जिसके चलते कर, रॉयल्टी आदि में विषमता होती है इसलिए फिग्सी का सरकार से निवेदन है कि 'वन नेशन-वन मिनरल-वन पॉलिसी' का सूत्र अपना चाहिए ताकि पत्थर उद्योग को बढ़ावा मिले तथा भारतीय व्यापारियों, खदानमालिकों व उद्योगपतियों को व्यापार में सहूलियत व कार्य समानता हो। फिग्सी संघ उद्योग को उत्खनन और प्रसंस्करण इकाइयों दोनों में कुशल कार्यबल के लिए सक्षम बनाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए होसूर और जयपुर दोनों में प्राकृतिक पत्थर उद्योग के लिए अनुसंधान एवं विकास प्रशिक्षण केंद्र शुरू कर दिया है और कर्नाटक सरकार से चामराजनगर में शोध केन्द्र स्थापित करने के लिए सहयोग का निवेदन किया है।

स्टोना प्रदर्शनी में विश्व के 18 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल : मनोजकुमार सिंह

फिग्सी के महामंत्री मनोजकुमार सिंह ने बताया कि द्वि-वार्षिक पत्थर मेला स्टोना 2025 दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा पत्थर मेला है, जो 46,000 वर्गमीटर से अधिक के क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें इस वर्ष 324 भारतीय स्टॉल व 64 ओवरसीज स्टॉल लगाए जा रहे हैं। कर्नाटक से करीब 60 व राजस्थान से लगभग 200 स्टॉल लगाए जा रहे है। इस वर्ष स्टोना में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टर्की, चीन, इटली व इरान के 4 पैवेलियन बनाए गए है। इस पत्थर प्रदर्शनी में भारत के अलावा विश्व के अन्य 18 देश भाग ले रहे है। इस स्टोना प्रदर्शनी में 453 छोटे बड़े स्टॉल लगाए जा रहे हैं। फिग्सी का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक पत्थर उद्योग को बढ़ावा व सशक्तिकरण करना है। प्राकृतिक पत्थर में ग्रेनाइट, मार्बल, सेंड स्टोन, स्लेट, क्वार्टजाइट आदि शामिल है। इस प्रदर्शनी में उपभोक्ता और सभी हितधारकों को एक साथ जुड़ने, सहयोग करने और बढ़ने के लिए एक सक्रिय मंच मिलता है। सिंह ने बताया कि इस वर्ष स्टोना प्रदर्शनी में इस बार 1000 करोड़ के व्यापार का अनुमान लगाया जा रहा है। प्रदर्शनी में जियोलॉजी सेमिनार सहित अनेक बिजनेस टॉक व उद्योग संबंधित अनेक ज्ञानवर्धक सेमिनारों का भी आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार विश्व प्रसिद्ध अयोध्या मंदिर में विराजित रामलला की पाषाण प्रतिमा बनाने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज को प्रदर्शनी में विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। आगे बताते हुए कहा कि इस प्रदर्शनी में स्टोन उद्योग के लिए लाइफ टाइम अवार्ड, ग्रेनाइट व मार्बल खदान, एक्पोर्ट, मशीनरी व टूल सहित जियोलॉजी विद्यार्थी श्रेणी में चयनीत 9 विद्यार्थियों को अवार्ड व नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मान किया जाएगा।

स्टोना 2025 के अधिकतर स्टॉल बुक, बढ़ाया गया प्रदर्शन क्षेत्र : मदनलाल जांगिड़

स्टोना 2025 के चेयरमैन मदनलाल जांगिड ने स्टोना प्रदर्शनी के बारे में बताते हुए कहा कि वर्ष 1987 में स्टोना प्रदर्शनी का पहला आयोजन हुआ था। इस वर्ष इस 16वें स्टोना आयोजन में गत आयोजन से भी ज्यादा जगह यानी एक्जिबिशन सेन्टर के 5 हाल सहित आउटडोर में भी स्टोना प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। एक, दो व तीन हॉल में प्राकृतिक पत्थरों का प्रदर्शन, चौथे व पांचवें हॉल में पत्थर उद्योग संबंधित केमिकल्स, टूल्स, मशीनों का प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में ज्यादातर प्रतिभागी पूरे भारत वर्ष से होते है, उनके अलावा विभिन्न सरकारी व राज्य सरकारें भी प्रदर्शनी में अपने अपने स्टॉल लगा रही है। स्टोना व्यावसायिक घरानों, कारीगरों, डिजाइनरों के लिए नए अवसर प्रदान करने के लिए एक प्रभावी प्लेटफार्म का कार्य करता है। जांगिड़ ने बताया कि इस बार स्टोना 2025 की बुकिंग के लिए बहुत ही सकारात्मक रेस्पांस मिला है। उन्होंने बताया कि स्टोना के उदघाटन के अवसर पर 12 फरवरी को कर्नाटक के खदान मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन, राज्य परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी व राजस्थान के कामर्स व उद्योग राज्य मंत्री कृष्णकुमार विश्नोई आदि उपस्थित होंगे जबकि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 15 फरवरी को आयोजित समापन समारोह में शामिल होंगे। शिल्पग्राम के बारे में बताते हुए कहा कि पत्थर की शिल्पकला व मूर्तिकला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिल्पग्राम का आयोजन अलग से किया जा रहा है जिसमें कर्नाटक से 3, राजस्थान से 14, मध्यप्रदेश से 1, ओडिसा से 2, उत्तराखंड से 1 व अन्य 4 शिल्पी अपनी कला की नुमाइश करेंगे। प्रदर्शनी के अलावा इस आयोजन में उद्योग संबंधित अनेक ज्ञानवर्धक सेमिनारों का भी आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में एक्जिबिटर डायरेक्टरी का भी निर्माण किया गया है जिसका विमोचन भी स्टोना प्रदर्शनी में होगा। इस मौके पर पत्रकार वार्ता का संचालन करते हुए पीआर, इलेक्ट्रानिक व प्रिंट मीडिया सबकमेटी के चेयरमैन के. केशवमूर्ति ने बताया कि इस बार स्टोना प्रदर्शनी का सोशल मीडिया पर भी प्रचार किया जा रहा है, उन्होंने उपस्थित सभी पत्रकारों को स्टोना प्रदर्शनी के लिए आमंत्रित किया। स्टोना को चेयरमैन हिमांशु सहगल ने धन्यवाद दिया।

'अनंत सुख पाने के लिए भाव शुद्धि आवश्यक है'

मुमुक्षु संतोषकुमारी कर्नावट की दीक्षा निमित्ते मेहंदी रस्म सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सनगार्डन के तत्वावधान में मुमुक्षु संतोषकुमारी कर्नावट के जैन भागवती दीक्षा महोत्सव में द्वितीय दिवस उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, साध्वीश्री सुधाकंवरश्रीजी, दर्शनप्रभाश्रीजी, सुप्रभाश्री एवं डॉ. प्रतिभाश्री आदि साधु साध्वियों के सान्निध्य में मेहंदी रस्म का आयोजन किया गया। इस मौके पर संतश्री नरेशमुनिजी ने प्रेरक प्रवचन में कहा कि हमें अपनी मुक्ति, भवभ्रमण, जीवन में सुख-दुख पर चिंतन करना चाहिए।

संतश्री ने कहा कि पहले मांग कम और आपूर्ति ज्यादा थी पर आज हमारी मांग बढ़ गई है और साधनों की आपूर्ति कम हो गई है जिसके परिणामस्वरुप हमारे जीवन में सुख नहीं है। यदि हमारे भाव शुद्ध नहीं हैं, तो कितना भी कर लो हम सिर्फ और सिर्फ कार्य करने में ही रह जाएंगे। जैसे अशुभ भावों के कारण नरक आयुष्य का बंधन होता है, वैसे ही चक्रवर्ती के पास धन-पशु-प्राणी-सोना- चांदी- रत्न सब पुण्य से मिलता है, इन सब का उपभोग करने और धर्म आराधना नहीं करने पर सारा पुण्य समाप्त हो जाता है और अंत में नरक में जाते हैं। दीक्षा के अनुमोदनार्थ यहां आए हुए श्रीसंघ के एवं सभी श्रद्धालुओं ने पुण्य का उपार्जन किया है।

शालिभद्रमुनिजी ने कहा कि हमें अगर इस संसार से मुक्त होना है तो जीवन में संयम आवश्यक है। जैसे मेहन्दी का रंग हरा होता है, ये उपाध्याय का रंग है और जैसे मेहन्दी सूखने के बाद लाल कलर आता है वैसे ही सिद्ध का कलर भी लाल होता है तो आप पंचम पद में आ रहे हो और आगे आप जल्दी से जल्दी सिद्ध बनो, यही शुभकामनाएं।

साध्वी समृद्धिश्रीजी ने कहा कि ऐसे तो मनुष्य के 303 भेद है लेकिन उसमें से 15 कर्मभूमि में जन्म लेने वाले ही संयम ले सकते हैं। साध्वी परिज्ञाश्री ने कहा कि संयम ही हमारे जीवन का श्रृंगार है। मुमुक्षु संतोषकुमारी मेकअप करते करते अपनी आत्मा का चेकअप करने लगी और वेकअप अर्थात जागृत हो गई। सभा का संचालन संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली, मंत्री सज्जन बोहरा, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद पिछोलिया आदि उपस्थित थे। प्रचार प्रसार संयोजक प्रकाशचंद बाफना ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार को गणेश बाग जैन स्थानक के प्रांगण में गुरु भगवंतों के सान्निध्य में दीक्षा महोत्सव के अंतर्गत केसर छंटाई का कार्यक्रम होगा।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.